◆ वर्ष - 35 ◆ अंक 61 ◆ www.skhnewstv.com ◆ 9 सितम्बर 2024 फिरोजाबाद ◆ पृष्ठ : 8 ◆ मूल्य : 1

दैनिक सच क्या है की प्रस्तुति

R.N.I.NO. 56725/89

सच क्या है

(उत्तर भारत का प्रमुख हिन्दी दैनिक)

अंदर के पेज 3 ट्रांसपोर्ट नगर हादसा : घायलों की सेवा में जुटे संघ के स्वयंसेवक 4 बाढ़ के बाद गंगाघाटों पर नमामि गंगे और नगर निगम ने शुरू किया स्वच्छता की मुहिम 5 भगवान श्रीकृष्ण हमारी संस्कृति के विलक्षण राष्ट्रनायक : आदित्य यादव 6 39 वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के समापन पर नेत्रदान महादान के नारे के साथ निकली जागरूकता रैली 7 उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल व्यापारी हित में काम करने वाला एकमात्र संगठन है -जयवीर सिंह

पेरिस पैरालंपिक 2024 में भारत का सफर समाप्त, 7 स्वर्ण समेत जीते 29 पदक

पेरिस, 08 सितंबर (हि.स.)। पेरिस पैरालंपिक 2024 में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के बाद भारत का सफर समाप्त हो गया है। रविवार को पैरालंपिक के अंतिम दिन पैरा कैनो में भारतीय खिलाड़ी पूजा ओझा वूमेन्स 200 मीटर एकल केएल-1 स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकीं। वह इस स्पर्धा के सेमीफाइनल में 1:17.23 के समय के साथ चौथे स्थान पर रहीं। इससे वह फाइनल के लिए क्वालिफाई करने से चूक गईं। मौजूदा पैरालंपिक गेम्स में भारत का ये आखिरी इवेंट था। इस तरह भारतीय दल का पैरालंपिक में सफर अब समाप्त हो गया है।

पेरिस पैरालंपिक में भारत ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है। अबकी बार भारत ने रिकॉर्ड 29 पदक हासिल किए।

इसमें 7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य पदक हैं। इससे पिछले सारे रिकॉर्ड्स ध्वस्त हो गए हैं। इससे पहले टोक्यो पैरालंपिक में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। टोक्यो पैरालंपिक 2020 में भारत ने 5 स्वर्ण, 8 रजत और 6 कांस्य पदक समेत कुल 19 पदक जीते थे। भारत ने इस बार पैरालिंपिक में भाग लेने के लिए 84 एथलीटों का अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेजा था।

एथलेटिक्स में जीते सबसे ज्यादा पदक

भारतीय खिलाड़ियों ने इस बार पैरा एथलेटिक्स में सबसे ज्यादा 17 पदक जीते हैं। इसमें चार स्वर्ण भी शामिल हैं। इसके बाद दूसरा नंबर पैरा बैडमिंटन का रहा। इसमें भारत ने एक स्वर्ण समेत 5 पदक जीते। पैरा शूटिंग में भारत को एक स्वर्ण समेत 4 पदक हासिल हुए। पैरा आर्चरी में भारत ने एक स्वर्ण समेत 2 पदक और पैरा जूडो में 1 कांस्य पदक जीता।

पैरालंपिक गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों की उड़ान

पैरालिंपिक के इतिहास पर नजर डालें तो 1968 से लेकर 2016 के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने पैरालंपिक गेम्स में सिर्फ 12 पदक जीते थे लेकिन इसके बाद पैरालंपिक गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों ने उड़ान भरी। टोक्यो पैरालंपिक 2020 में भारतीय खिलाड़ियों ने 19 और मैजूदा पेरिस पैरालंपिक में 29 पदक जीते हैं, जिसका कुल योग 48 होता है। पैरालंपिक गेम्स में भारत की यह एतिहासिक उड़ान काफी मायने रखती है।

पेरिस पैरालंपिक में अवनि ने दिलाया भारत को पहला पदक

पेरिस पैरालंपिक 2024 में भारत को पहला पदक स्टार शूटर अवनि लेखरा ने दिलाया, जो स्वर्ण पदक के रूप में आया। इसके बाद नितेश कुमार (पैरा बैडमिंटन), सुमित अंतिल (पैरा एथलेटिक्स), हरविंदर सिंह (पैरा तीरंदाजी), धर्मबीर (पैरा एथलेटिक्स), प्रवीण कुमार (पैरा एथलेटिक्स) और नवदीप सिंह ने (पैरा एथलेटिक्स) भी स्वर्ण पदक जीता है।

भारतीय खिलाड़ियों ने 7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य पदक समेत कुल 29 पदक हासिल किए। 29वां पदक पैरा एथलीट नवदीप सिंह ने मेन्स जैवलिन थ्रो एफ41 में दिलाया, जो स्वर्ण के रूप में रहा। इस तरह भारत का पहला और आखिरी पदक स्वर्ण पदक के रूप में रहा। पहली बार भारत ने पैरालंपिक गेम्स में इतने ज्यादा स्वर्ण पदक जीते हैं। इससे पहले भारतीय खिलाड़ियों ने टोक्यो पैरालंपिक में 5 स्वर्ण पदक जीते थे।

पेरिस पैरालंपिक 2024 में भारत के पदकवीर

अवनि लेखरा (पैरा शूटिंग)- स्वर्ण पदक, आर2 वूमेन्स 10 मीटर एयर राइफल (एसएच1), मोना अग्रवाल (पैरा शूटिंग)- कांस्यपदक, वूमेन्स 10 मीटर एयर राइफल (एसएच1), प्रीति पाल (पैरा एथलेटिक्स)- कांस्य, वूमेन्स 100 मीटर रेस (टी35), मनीष नरवाल (पैरा शूटिंग)- रजत पदक, मेन्स 10 मीटर एयर पिस्टल (एसएच1), रुबीना फ्रांसिस (पैरा शूटिंग)- कांस्य पदक, वूमेन्स 10 मीटर एयर पिस्टल (एसएच1), प्रीति पाल (पैरा एथलेटिक्स)- कांस्य पदक, वूमेन्स 200 मीटर रेस (टी35), निषाद कुमार (पैरा एथलेटिक्स)- रजत पदक, मेन्स हाई जंप (टी47), योगेश कथुनिया (पैरा एथलेटिक्स)- रजत पदक, मेन्स डिस्कस थ्रो (एफ56), नितेश कुमार (पैरा बैडमिंटन)-स्वर्ण पदक, मेन्स सिंगल्स (एसएल3), मनीषा रामदास (पैरा बैडमिंटन)- कांस्य पदक, वूमेन्स सिंगल्स (एसयू5), थुलासिमथी मुरुगेसन (पैरा बैडमिंटन)-रजत पदक, वूमेन्स सिंगल्स (एसयू5), सुहास यथिराज (पैरा बैडमिंटन)-रजत पदक, मेन्स सिंगल्स (एसएल4), शीतल देवी-राकेश कुमार (पैरा तीरंदाजी)- कांस्य पदक, मिक्स्ड कंपाउंड ओपन, सुमित अंतिल (पैरा एथलेटिक्स)-स्वर्ण पदक, मेन्स जैवलिन थ्रो (एफ64), नित्या श्री सिवन (पैरा बैडमिंटन)- कांस्य पदक, वूमेन्स सिंगल्स (एसएच6), दीप्ति जीवनजी (पैरा एथलेटिक्स)- कांस्य पदक, वूमेन्स 400 मी. (टी20), मरियप्पन थंगावेलु (पैरा एथलेटिक्स)- कांस्य पदक, मेन्स हाई जंप (टी63), शरद कुमार (पैरा एथलेटिक्स)- रजत पदक, मेन्स हाई जंप (टी63), अजीत सिंह (पैरा एथलेटिक्स)- रजत पदक, मेन्स जैवलिन थ्रो (एफ46), सुंदर सिंह गुर्जर (पैरा एथलेटिक्स)- कांस्य पदक, मेन्स जैवलिन थ्रो (एफ46), सचिन सरजेराव खिलारी (पैरा एथलेटिक्स)- रजत पदक, मेन्स शॉट पुट (एफ46), हरविंदर सिंह (पैरा तीरंदाजी)- स्वर्ण पदक, मेन्स इंडिविजुअल रिकर्व ओपन, धर्मबीर (पैरा एथलेटिक्स)- स्वर्ण पदक, मेन्स क्लब थ्रो (एफ51), प्रणव सूरमा (पैरा एथलेटिक्स)- रजत पदक, मेन्स क्लब थ्रो (एफ51), कपिल परमार (पैरा जूडो)- कांस्य पदक, मेन्स 60 किलो (जे1), प्रवीण कुमार (पैरा एथलेटिक्स)- स्वर्ण पदक, मेन्स हाई जंप (टी44), होकाटो होटोजे सेमा (पैरा एथलेटिक्स)- कांस्य पदक, मेन्स शॉट पुट (एफ57), सिमरन शर्मा (पैरा एथलेटिक्स)- कांस्य पदक, वूमेन्स 200 मीटर (टी12), नवदीप सिंह (पैरा एथलेटिक्स)- स्वर्ण पदक, मेन्स जैवलिन थ्रो (एफ41)।

नई शिक्षा नीति को नहीं अपनाने वाले राज्य करें पुनर्विचार : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 08 सितंबर(हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज सभी लोगों से कम से कम एक व्यक्ति को साक्षर बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने उन राज्यों से अपील की जिन्होंने अभी तक नई शिक्षा नीति (एनईपी) को नहीं अपनाया है। उन्होंने कहा कि वे अपने रुख पर पुनर्विचार करें।

आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति धनखड़ ने इस बात पर जोर दिया कि नई शिक्षा नीति देश के लिए एक बड़ा बदलाव लाने वाली है।

उन्होंने कहा, "यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति हमारे युवाओं को उनकी प्रतिभा और ऊर्जा का पूरा दोहन करने का अधिकार देती है, जिसमें सभी भाषाओं को उचित महत्व दिया गया है।

देश के संस्थानों को कलंकित और अपमानित करने वाले लोगों के प्रति आगाह करते हुए धनखड़ ने उन गुमराह लोगों को रास्ता दिखाने का आग्रह किया जो भारत के प्रभावशाली विकास को स्वीकार करने में सक्षम नहीं हैं

और जमीनी हकीकत को नहीं पहचान रहे हैं।

इस दौरान उपराष्ट्रपति ने सभी से साक्षरता को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "अब समय आ गया है कि हम प्रतिबद्धता और जुनून के साथ मिशन मोड में काम करें ताकि जल्द से जल्द 100 प्रतिशत साक्षरता सुनिश्चित की जा सके। उन्हें यकीन है कि यह जितना हम सोच रहे हैं, उससे भी पहले हासिल किया जा सकता है।

इस अवसर पर शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

बांग्लादेशः राष्ट्रगान बदलने की जमात की मांग पर अंतरिम सरकार ने कहा, कोई विवादित कदम नहीं उठाएंगे

ढाका, 8 सितंबर (हि.स.)। मोहम्मद युनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की तरफ से साफ किया गया है कि देश के राष्ट्रगान में बदलाव की कोई योजना नहीं है।सरकार ने उन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि बांग्लादेश का राष्ट्रगान बदला जा सकता है। सुप्रसिद्ध रचनाकार रवीन्द्रनाथ टैगोर की रचना 'आमार सोनार बांग्ला' को बांग्लादेश ने अपना राष्ट्रगान बनाया है, जिसे बदलने की मांग देश के कट्टरपंथी संगठन कर रहे हैं।

पद्मा नदी के उत्तरी तट पर राजशाही में शनिवार को इस्लामिक फाउंडेशन का दौरा करने के बाद धार्मिक मामलों के सलाहकार अबुल फैज मुहम्मद खालिद हुसैन ने दावा किया कि अंतरिम सरकार विवाद पैदा करने वाला कोई कदम नहीं उठाएगी। सरकार सभी के सहयोग से बांग्लादेश का निर्माण करना चाहती है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लोगों को निशाना बनाए जाने के मामले पर उन्होंने भरोसा दिलाया कि ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों को यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार दंडित करेगी। जो लोग पूजा स्थलों पर हमला करते हैं, वे मानवता के दुश्मन हैं। वे अपराधी हैं और उन पर मौजूदा कानूनों के तहत मुकदमा चलाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में राष्ट्रगान 'आमार सोनार बांग्ला' को लेकर विवाद शुरू हो गया है। कट्टरपंथी इसे बदलने की मांग कर रहे हैं।

बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के पूर्व अमीर गुलाम आजम के बेटे अब्दुल्लाहिल अमान आजमी ने देश के राष्ट्रगान और संविधान में बदलाव की मांग की है। आजमी का कहना है कि हमारा वर्तमान राष्ट्रगान हमारे स्वतंत्र बांग्लादेश के अस्तित्व के विपरीत है। दो बंगालों को एकजुट करने के लिए बनाया गया राष्ट्रगान एक स्वतंत्र बांग्लादेश का राष्ट्रगान कैसे बन सकता है? यह राष्ट्रगान 1971 में भारत द्वारा हम पर थोपा गया था। सरकार को नया राष्ट्रगान चुनने के लिए आयोग बनाना चाहिए।

शेयर बाजार को लेकर निवेशकों में बढ़ा रुझान, देश में डीमैट अकाउंट की संख्या 17 करोड़ के पार पहुंची

नई दिल्ली, 8 सितंबर (हि.स.)। घरेलू शेयर बाजार में खुदरा निवेशकों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। निवेशकों की संख्या में बढ़ोतरी होने का संकेत देश में लगातार बढ़ रहे डीमैट अकाउंट की संख्या से मिलता है। अगस्त महीने में देश में कुल डीमैट अकाउंट की संख्या पहली बार 17 करोड़ के आंकड़े के पार पहुंच गई। अगस्त में देश में 42.30 लाख डीमैट अकाउंट खोले गए। इस तरह देश में अभी तक खोले गए डीमैट अकाउंट की कुल संख्या 17.11 करोड़ हो गई है।

डिपॉजिटरी द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक अगस्त के पहले जुलाई के महीने में 44.44 लाख डीमैट अकाउंट खुले थे। इस तरह मासिक आधार पर नए खुलने वाले डीमैट अकाउंट की संख्या में अगस्त के महीने के दौरान 2.14 लाख की कमी जरूर आई लेकिन सालाना आधार पर इसमें 11.30 लाख की बढ़ोतरी हुई है। इसके पहले अगस्त 2023 में 31 लाख में डीमैट अकाउंट खोले गए थे।

इस साल जून महीने में ही देश में डीमैट अकाउंट की संख्या बढ़ कर 16 करोड़ हो गई थी। इसके दो महीने बाद ही अगस्त के महीने में इस संख्या में एक करोड़ की बढ़ोतरी हो गई। जनवरी 2023 से लेकर अगस्त 2024 के बीच 6.28 करोड़ डीमैट अकाउंट खोले गए हैं। इनमें साल 2024 में जनवरी से अगस्त के दौरान कुल 3.18 करोड़ नए डीमैट अकाउंट खोले गए हैं। इसके पहले साल 2023 में जनवरी से दिसंबर तक कुल 3.10 करोड़ डीमैट अकाउंट खोले गए थे। इस तरह इस साल 8 महीने की अवधि में ही नए डीमैट अकाउंट खुलने का आंकड़ा 2023 के आंकड़े से आगे निकल गया है।

उल्लेखनीय है कि डीमैट अकाउंट का इस्तेमाल मुख्य रूप से सिक्योरिटी मार्केट में ट्रेडिंग करने के लिए किया जाता है। इस अकाउंट में शेयर के साथ ही म्युचुअल फंड, बॉन्ड और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड जैसे सिक्योरिटीज को डिजिटल फॉर्म में रखा जाता है।

शेयरों की खरीद बिक्री के लिए डीमैट अकाउंट होना जरूरी होता है।

भारत में आया का मंकीपॉक्स पहला संदिग्ध मामला

नई दिल्ली, 08 सितंबर (हि.स.)। भारत में घातक एवं संक्रामक रोग मंकीपॉक्स का पहला संभावित मामला सामने आया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस संबंध में आज जानकारी दी है। मंत्रालय का कहना है कि जांच जारी है और चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

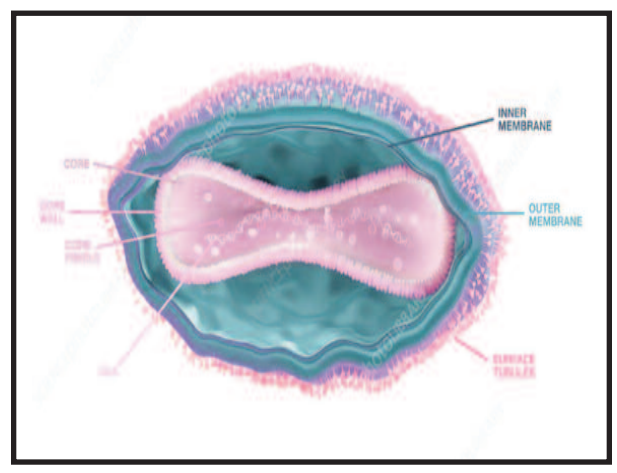

मंत्रालय का कहना है कि हाल ही में विदेश यात्रा से लौटे युवा पुरुष रोगी की पहचान एमपॉक्स (मंकीपॉक्स) के संदिग्ध मरीज के तौर पर हुई है। रोगी को एक निर्दिष्ट अस्पताल में अलग रखा गया है और वर्तमान में उसकी हालत स्थिर है। वह ऐसे देश की यात्रा करके आया है जहां मंकीपॉक्स के मामले पाए गए हैं।

एमपॉक्स की उपस्थिति की पुष्टि करने के लिए रोगी के नमूनों का परीक्षण किया जा रहा है। मामले को स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार प्रबंधित किया जा रहा है और संभावित स्रोतों की पहचान करने और देश के भीतर प्रभाव का आकलन करने के लिए संपर्क ट्रेसिंग जारी है।

मंत्रालय के अनुसार इस मामले का विकास एनसीडीसी द्वारा किए गए पहले के जोखिम मूल्यांकन के अनुरूप है और किसी भी अनावश्यक चिंता का कोई कारण नहीं है।

हिन्दी भाषा में हो चिकित्सा-अनुसंधान और न्यायिक कार्य

लखनऊ, 08 सितम्बर (हि.स.)। हिन्दी भाषा के विकास के लिए भिन्न प्रयासों को मूर्तरूप देने के सम्बन्ध में विचार विमर्श हेतु एक कार्यशाला अ-मोक्ष साधना केंद्र, राजनिकेतन, वृन्दावन योजना, लखनऊ में रविवार को आयोजित हुई। वक्ताओं ने कहा कि हिन्दी तभी ग्राह्य हो सकेगी जब हिन्दी में विज्ञान, चिकित्सा-अनुसंधान और न्यायिक कार्य सम्पन्न होने आरम्भ होंगे। उपस्थित वक्ताओं ने हिन्दी को केंद्र में रखकर अ-मोक्ष साधना केंद्र के प्रयासों की सराहना की। कार्यशाला में इस तथ्य पर सन्तोष व्यक्त किया गया कि, आज विश्व के कोने-कोने में हिन्दी बोलने और समझने वाले मिल रहे हैं जिसमें हमारे युवा वैज्ञानिकों, व्यापारियों और उपभोक्ताओं का सराहनीय योगदान है।

आयोजन के मुख्य अतिथि हिन्दी साहित्य के प्रति समर्पित उ.प्र राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान से निकलने वाली त्रैमासिक पत्रिका "अपरिहार्य" के पूर्व सम्पादक अनन्त प्रकाश तिवारी उपस्थित रहे।

समारोह की अध्यक्षता गोपाल कुंज अध्यासी कल्याण समिति वृन्दावन योजना लखनऊ के पूर्व अध्यक्ष, कर्नल वाई.एस यादव ने की। समारोह में अवकाश प्राप्त न्यायाधीश आर.पी.द्विवेदी,अवकाश प्राप्त न्यायाधीश एस.के. विश्वकर्मा के साथ ही इं जटाशंकर,अधिवक्ता विनय शंकर पाण्डेय, पूर्व वायु सेना अधिकारी के.एस. मिश्र, समर्थ सिंह एवं एस के विश्नोई भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अ-मोक्ष साधना केन्द्र के संस्थापक शिवशंकर द्विवेदी ने अपनी कविता संग्रह "जीवन के स्वर" में विवेच्य बिन्दुओं पर प्रकाश डालते हुए हिन्दी के विकास हेतु अपेक्षित कार्य के लिए विचारणीय बिन्दुओं पर उपस्थित विद्वतजन से अपने-अपने विचार रखने का अनुरोध किया। जिस पर अ-मोक्ष साधना केंद्र की महाप्रबन्धक कुसुमलता द्विवेदी ने "जीवन के स्वर" की प्रतियां उपस्थित सदस्यों को प्रदान की।

लखनऊ हादसे की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित

लखनऊ, 08 सितम्बर (हि.स.)। सरोजनी नगर क्षेत्र में शनिवार को एक तीन मंजिला इमारत ढहने और आठ लोगों की मौत मामले में जांच प्रक्रिया तेज हो गई है। इस घटना की निष्पक्ष जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। जो अपनी रिपोर्ट शासन को भेजेंगे, उसके आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई अमल में लायी जाएगी।

ट्रांसपोर्ट नगर में हुए हादसे में अब भी रेस्क्यू अभियान चल रहा है। इस घटना में आठ लोगों की जा चुकी और 28 घायल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को लोकबंधू अस्पताल में पहुंचकर घायलों का हालचाल लिया। तीमारदारों से उन्होंने कहा कि उन्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। इस संकट की घड़ी में राज्य सरकार साथ है। हर किसी की हरसंभव मदद की जाएगी। मुख्यमंत्री ने इस घटना का संज्ञान लिया है और शीघ्र ही इस पूरे प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट मांगी है। मुख्यमंत्री के सख्त रवैये के बाद पूरे प्रकरण की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम का गठन कर दिया गया है। पूरे प्रकरण की जांच गृह विभाग के सचिव डॉ संजीव गुप्ता के नेतृत्व में होगी। उनके सहयोग के लिए आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के सचिव बलकार सिंह, लोक निर्माण विभाग लखनऊ के मुख्य अभियन्ता (मध्य क्षेत्र) के. विजय कनौजिया मौजूद रहेंगे। उक्त जांच समिति से अपेक्षा की जाती है कि वह घटना के कारणों की समग्र रूप से जांच कर अपनी जांच रिपोर्ट यथाशीघ्र शासन को प्रस्तुत करेगी।

विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर तीन देशों की छह दिनों की यात्रा पर आज होंगे रवाना

नई दिल्ली, 8 सितंबर (हि.स.)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर रविवार को सऊदी अरब, जर्मनी और स्विट्जरलैंड की छह दिनों की यात्रा पर रवाना होंगे। यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देना और क्षेत्रीय व वैश्विक चुनौतियों पर विचार साझा करना है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, डॉ. जयशंकर सबसे पहले भारत-खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए दो दिन रियाद रहेंगे। जीसीसी प्रभावशाली समूह है, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, सऊदी अरब, ओमान, कतर और कुवैत शामिल हैं। इसके बाद विदेश मंत्री 10 से 11 सितंबर तक दो दिनों की यात्रा पर बर्लिन जाएंगे। तीसरे व अंतिम चरण में वे 12 से 13 सितंबर तक जिनेवा का दौरा करेंगे, जहां वे वैश्विक संगठनों के प्रमुखों व प्रतिनिधियों से मिलेंगे।

सम्पादकीय

संजौली विवाद की वजह

आबादी के घनत्व में फैलता शिमला शिकायत करता है या इस तारीख पर धर्म की मंजिलें गुनहगार हैं। शिमला मस्जिद विवाद हर तरह की तहजीब पर प्रश्न उठा रहा है। कानून के गोरे काले ढूंढ कर वैमनस्य का उद्गार कर रहा है। सैकड़ों आवाजें उठ खड़ी हुई और जय-विजय के उद्घोष में कानून की आंतडिय़ों का मुआयना कई दिशाओं में शोर सुनने लगा। एक अवैध निर्माण के माले पर आकर अगर सांसद असदुद्दीन ओवैसी बैठ जाए, तो फिर विवाद नहीं, यह टकराव हो सकता है। संजौली के हिस्से में न धर्म की आंख और न ही अवैध निर्माण की लगाम आई और यह चिंता का विषय है। यहां पाप-पुण्य का फैसला धर्म कतई नहीं कर सकता, बल्कि गुनाहों का बद किरदार या तो नगर निगम शिमला की करतूतों में छिपा है या शहरी विकास की आचार संहिता में इतने छेद हैं कि वर्षों से जारी अवैध निर्माण की परिपाटी किसी को नजर नहीं आई। अब अगर दो समुदायों के बीच टकराव जैसे हालात पैदा किए जा रहे हैं, तो सत्ता को भी कानून के रास्ते बुलंद करने पड़ेंगे। सरकार के एक मंत्री बेशक जन सैलाब की नुमाइंदगी में इंगित हुआ है, लेकिन मस्जिद पर अगर अनैतिक सीमेंट चढ़ा है, तो उसके लिए व्यवस्था ही जिम्मेदार मानी जाएगी।

ऐसे में टीसीपी महोदय किन फाइलों में गुम रहे या नगर निगम चुनावों में हार-जीत गिनने वाले चेहरे क्यों गौण हुए। यह निर्माण उस समय ही क्यों नजर आया जब दो समुदायों के बीच झड़प हुई या जब आंदोलित संवेदना सडक पर आई, तो ही व्यवस्था क्यों होश में आई। वैसे बेहोशी के आलम में हिमाचल की कई गलियां सो रही हैं और कहीं दबाव और कहीं प्रभाव से अवैध निर्माण जारी है। शिमला विवाद का हल न धार्मिक संगठन और न ही ओवैसी जैसे सांसद कर सकते और अगर यह दस्तूर बन गया, तो हिमाचल में ऐसे कई निशान, धार्मिक स्थान व इल्जाम हैं जो अग्रिम मोर्चे पर आ जाएंगे। अगर 34 शहरी विकास योजनाओं में से ग्यारह अर्थहीन हो गई हैं, तो समझ लेना चाहिए कि अतिक्रमण के नीचे बारूद खड़ा है। नगर नियोजन विभाग को विभिन्न सरकारों और माननीयों के राजनीतिक व्यवहार ने सजा दी है। प्रदेश में कुछ शहरी निकायों की जद में आ रहे गांवों को टीसीपी के तहत लाने की कोशिशों को खुर्द-बुर्द करने की दलीलें, अगर विधायक दे रहे हैं, तो भविष्य के खतरे ऐसे सोच के कांटों पे उगे हैं। प्रदेश सरकार को यह साबित करना होगा कि मस्जिद की लंबाई-चौड़ाई में धर्म की आड़ छुपी है या नगर निगम की नजरअंदाजी ने खता की है। जो भी हो, हिमाचल के माहौल में ऐसी तल्खियों की गुंजाइश नहीं है और न ही ओवैसी को जवाब देने का तर्क पैदा होता है। हिमाचल में मजहब से ऊपर तहजीब के आदर्श और शांति की परंपराएं निवास करती हैं। यहां का लोकतांत्रिक आचरण धर्म के पैबंद नहीं ओढ़ता, बल्कि हर चुनाव में व्यवस्था के प्रश्न गूंजते हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में मुख्यमंत्री की ओर से दिया गया आश्वासन कम से कम प्रदेश की चिंता में शरीक होकर, अमन की दुहाई दे रहा है। भले ही सरकार के एक मंत्री की भूमिका का आकार बड़ा व उनकी प्रशंसा का दायरा और भी बड़ा हो रहा है, लेकिन देखना यह है कि ऐसे अतिक्रमण पर कानून के हथौड़े कितने मजबूत और प्रभावशाली होते हैं।

युवा और कारोबारी क्यों कर रहे खुदकुशी

आर.के. सिन्हा

बीते सालों की तरह इस बार भी सारे देश ने 5 सितंबर को

गर्मजोशी से अध्यापक दिवस मनाया। सोशल मीडिया पर तो अध्यापकों का उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त किया जा रहा था। पर अब सुधी अध्यापकों, मनोचिकित्सकों और अन्य जागरूक नागरिकों को यह भी सोचना होगा कि नौजवानों का एक बड़ा वर्ग निराशा और नाकामयाबी की स्थितियों में अपनी जीवनलीला खत्म करने पर क्यों आमादा है। अब शायद ही कोई दिन ऐसा गुजरता हो जब अखबारों में किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा के खुदकुशी करने संबंधी दिल दहलाने वाला समाचार ना छपता हो। यह बेहद गंभीर मसला है और इस पर सारे देश को सोचना होगा।

इसी तरह आजकल बिजनेस में घाटा होने के कारण भी आत्महत्या करने वालों की तादाद लगातार बढ़ रही है। अभी कुछ दिन पहले एक साइकिल बनाने वाली मशहूर कंपनी के अरबपति मालिक ने भी खुदकुशी कर ली थी।

पिछले साल 6 दिसंबर को लोकसभा में बताया गया था कि देश में 2019 से 2021 के बीच 35,000 से ज्यादा छात्रों ने आत्महत्या की। छात्रों के खुदकुशी करने के मामले 2019 में 10,335 से बढ़कर 2020 में 12,526 और 2021 में 13,089 हो गए। इसमें कोई शक नहीं है किसी भी हालत में किसी खास परीक्षा में सफल होने के लिए माता-पिता, अध्यापकों और समाज का भारी दबाव और अपेक्षाएं छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर घातक प्रभाव डाल रही हैं। राजस्थान का एक शहर है कोटा। यहां हर साल एक अनुमान के मुताबिक, हजारों नहीं लाखों छात्र-छात्राएँ देश के शीर्ष कॉलेजों में से एक में प्रवेश पाने की उम्मीद में कोटा पहुंचते हैं। इनके जीवन का एक ही लक्ष्य होता है कि किसी तरह आईआईटी/एनआईटी या मेडिकल की प्रवेश परीक्षा को क्रैक कर लिया जाए।

आप कोटा या फिर देश के किसी भी अन्य शहर में चले जाइये जहां मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों के साथ-साथ सिविल सेवाओं वगैरह के लिए कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। वहां पर छात्र अत्यधिक दबाव और असफलता के डर से मनोवैज्ञानिक रूप से बहुत कष्ट की स्थिति में हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं कि हमें खुदकुशी के बढ़ते मामलों पर सिर्फ चिंता ही व्यक्त नहीं करनी। हमें इसे रोकना ही होगा। हमने युवाओं, कारोबारियों और अन्य लोगों के आत्महत्या करने के कारणों और इस समस्या के हल तलाशने के लिए विश्व आत्महत्या निवारण दिवस (12 सितंबर) को राजधानी दिल्ली में एक महत्वपूर्ण सेमिनार का भी आयोजन किया है, जहां पर मनोचिकित्सक, पत्रकार और सोशल वर्कर अपने अनुभवों के आधार पर अपने पेपर पढ़ेंगे। उन निष्कर्षों के बाद हम आगे की रणनीति बनाएँगे।

कुछ कोचिंग सेंटर चलाने वाले भी इस तरह के प्रयास तो कर रहे हैं ताकि छात्र बहुत दबाव में न रहें। राजधानी के एक कोचिंग सेंटर के प्रमुख ने बताया कि हम छात्रों की लगातार काउंसलिंग करते रहते हैं। उनके अभिभावकों के भी संपर्क में रहते हैं। कहा जाता है कि भारत में दुनिया भर में सबसे अधिक युवा आत्महत्या दर है। इस बीच, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, 2020 में हर 42 मिनट में एक छात्र ने अपनी जान दे दी। यह आंकड़ा सच में डराता है।

देखिए, नौजवानों को बिल्कुल रीलेक्स माहौल देना होगा माता-पिता और उनके अध्यापकों को, ताकि वे बिना किसी दबाव में पढ़ें या जो भी करना चाहते हैं, करें। हरियाणा के सोनीपत में सेंट स्टीफंस कैम्ब्रिज स्कूल चलाने वाली दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी (डीबीएस) के अध्यक्ष और सोशल वर्कर ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम पूरी तरह से सुनिश्चित करते हैं कि हमारे स्कूल या सेंट स्टीफंस कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चे बिना किसी दबाव में पढ़े-लिखे। हम अपने अध्यापकों की भी क्लास लेते हैं कि किसी भी बच्चे के साथ कक्षा में उसकी जाति न पूछी जाए और न ही उसके पिता की आय। कुछ गैर-जिम्मेदार अध्यापक अपने विद्यार्थियों से इस तरह के गैर-जरूरी सवाल पूछते हैं। फिर वे एक ही कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों की एक-दूसरे से तुलना भी करने लगते हैं। इस कारण वे जाने-अनजाने एक बच्चे को बहुत सारे बच्चों को कमजोर साबित कर देते है। जाहिर है, इस वजह से उस छात्र पर बहुत नकारात्मक असर पड़ता है जो कमतर साबित कर दिया गया होता है। इसी तरह के बच्चे कई बार निराशा और अवसाद में डूब जाते हैं।

देखिए बच्चे को पालना एक बीस वर्षीय प्लान है। कौन नहीं चाहता कि उसका बच्चा समाज में ऊंचा मुकाम हासिल करे, शोहरत-नाम कमाए? पर इन सबके लिए जरूरी है कि बच्चे को उसकी काबिलियत और पसंद के अनुसार मनचाहा करियर चुनने की आजादी भी दी जाए।

यह एक कड़वा सच है कि हमारे समाज में सफलता का पैमाना अच्छी नौकरी, बड़ा घर और तमाम दूसरी सुख-सुविधाएं ही मानी जाती हैं।अफसोस कि हम भविष्य के चक्कर में अपने बच्चों को आत्महत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर करने लगे हैं। ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम अपने यहां बच्चों को इस बात के लिए तैयार करते हैं कि वे कठिन परिस्थितियों का भी सामना करें। असफलता से हार मान लेने से जीवन नहीं चलता। यह तो कायरता है। महान कवि पद्मभूषण डॉ. गोपाल दस नीरज की पंक्तियाँ याद आ रही हैं, ह्न छुप-छुप अश्रु बहाने वालों, जीवन व्यर्थ लुटाने वालों, इक सपने के मर जाने से, जीवन नहीं मरा करता है।ह्न सफलता और असफलता का चक्र तो चला करता है, उसे स्वीकार करने में ही भला है।

जैसा कि मैंने ऊपर जिक्र किया कि बीते दिनों एक अरबपति बिजनेसमैन ने राजधानी के अपने भव्य बंगले में गोली मारकर सुसाइड कर लिया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। कहा जा रहा है कि बिजनेस में नुकसान होने के कारण ही साइकिल बनाने वाली कंपनी के मालिक ने आत्महत्या की। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से पता चला है कि 2020 में जब कोविड की लहर ने व्यापार को तबाह कर दिया था। उस समय 11,716 व्यापारियों ने आत्महत्या की थी, जो 2019 की तुलना में 29% अधिक थी, जब 9,052 व्यापारियों ने अपनी जान ले ली थी।

कर्नाटक में 2020 में व्यवसायियों द्वारा आत्महत्या से सबसे अधिक मौतें (1,772) दर्ज की गईं - जो 2019 से 103% अधिक है, जब राज्य में 875 व्यवसायियों ने अपनी जान ले ली थी। महाराष्ट्र में 1,610 व्यवसायियों ने आत्महत्या की, जो पिछले वर्ष से 25%अधिक है और तमिलनाडु में 1,447 व्यवसायियों ने अपनी जान ली, जो 2019 से 36%अधिक है। यह सबको पता है कि भारत के व्यवसायी समुदाय का बड़ा हिस्सा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से जुड़ा है, जो बड़े झटकों को सहन नहीं कर पाता है। इसके चलते कई कारोबारियों ने कर्ज में डूबने या बिजनेस में नुकसान के कारण आत्महत्या कर ली।

लब्बोलुबाव यह है कि भारत में युवाओं और कारोबारियों के साथ-साथ अन्य लोगों की आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को भी प्रभावी ढंग से रोकना होगा।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

आज का राशिफल

मेष : मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृष : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-2-5-7

मिथुन : एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

कर्क : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-4-6-8

सिंह : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-5-7

कन्या : आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-4-7

तुला : स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। अपने काम पर नजर रखिए। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक : पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु : कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-1-3-5

मकर : पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-8

कुंभ : शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। यात्रा का योग है। आय के योग बनेंगे। शुभांक-4-6-8

मीन : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-7

बॉलीवुड के अनकहे किस्से : 80 रुपए से शुरू हुआ धर्मेंद्र का सफर...

अजय कुमार शर्मा

हिंदी फिल्मों के सदाबहार हीरो धर्मेंद्र ने बिना किसी सिफारिश के फिल्मों में तो अपना स्थान बनाया ही बल्कि आगे चलकर अपनी साफ-सुथरी छवि और दरियादिली से लाखों प्रशंसकों का दिल जीता। सफल हीरो बन जाने के बाद भी पंजाब का सीधा-सादा किसान उनके व्यक्तित्व से अलग नहीं हुआ। अपने कार्य जीवन और फिल्मों की शुरूआत के संबंध में उन्होंने एक संस्मरण अपने समय की प्रख्यात और लोकप्रिय हिंदी फिल्म पत्रिका माधुरी में लिखा था। इसमें उन्होंने लिखा था कि अपनी पहली नौकरी के इंटरव्यू के लिए वह अपने बाबूजी के साथ सूट और टाई लगाकर गए थे। वह एक ट्यूबवैल कंपनी में नौकरी के सिलसिले में था। लेकिन कंपनी के अधिकारियों ने कहा कि उनके पास मजदूरी का काम है और उसमें 80 रुपए से ज्यादा नहीं दिए जा सकते। यह सुनकर उनके बाबूजी को बहुत बड़ा सदमा लगा। उन्हें भी यह सुनकर बुरा लगा। उन्हें लगा कि वह अपने आर्यसमाजी और अध्यापक पिता की उम्मीद पर खरे नहीं उतरे हैं। उनके आर्यसमाजी पिता जो जीवन भर दूसरे लोगों को सुधारते रहे। उनको यह दुख था कि वह अपने बेटे को सुधार नहीं पाए और वह दो कौड़ी का निकला। हालांकि धर्मेंद्र हाईस्कूल तक तो पक्के आर्यसमाजी की तरह सुबह-शाम प्रार्थना करते थे और आर्य समाज मंदिर में झाड़ू-बुहारी तक बड़ी श्रद्धा से करके आते थे। लेकिन फिर पढ़ने के लिए बाहर जाने पर उनके ऊपर फिल्मों का ऐसा भूत सवार हुआ कि वह इंटर और बीए में कई बार फेल हुए। शायद यही कारण था कि अब उन्हें जो काम मिल रहा था वह मजदूरी का काम मिल रहा था। लेकिन यहां धर्मेंद्र ने अपना दूसरा रूप दिखाया। उन्होंने तुरंत कोट-टाई उतार दी और मजदूरी का काम करने के लिए अपनी सहमति दे दी। उनके बाबूजी की आंखों में एक पल को जो अनोखी चमक आई उसे देखकर वह धन्य हो गए और खुशी-खुशी काम पर चले गए। एक-दो दिन के बाद ही वह खुद ट्यूबवैल लगाने लगे। उनके अधिकारियों ने खुश होकर कहा कि अब तुम मजदूरों का काम नहीं करोगे। तुम आज से फिटिंग करोगे और सुपरवाइजर का काम करोगे। तुम्हारी तनख्वाह होगी 300 रुपए। इसके बाद वे फिर कोट-टाई पहनकर अपने बाबूजी के पास गए और उनके पैर छूकर बताया कि अब उन्हें 300 रुपए महीना मिलेगा तो वे हैरत से देखते रहे कि कौन-सा जादू जानता है उनका लड़का जो तीन दिन में 300 की तरक्की ले आया? उस पल उनके चेहरे का संतोष भी उन्हें नहीं भूलता। वह उनकी जिंदगी की पहली तरक्की थी और शायद जीवन की सबसे बड़ी तरक्की...

फिर उनके बाबूजी को लगा कि इस नौकरी में कहीं उन्हें विदेश न जाना पड़े इसलिए उन्होंने उनकी जल्दी से शादी कर दी। उन्हें डर था कि कहीं विदेश में जाकर उनका आर्यसमाजी बेटा रंग-ढंग न बदल ले। धर्मेंद्र भी अपने जीवन में स्थिर होना चाह रहे थे कि तभी फिल्मफेयर-यूनाइटेड प्रोड्यूसर के टैलेंट हंट का विज्ञापन देखकर एक स्टूडियो में अपने फोटो खिंचवा कर वहां भेज दिए। मां-बाप को बुरा लगा लेकिन वे साक्षात्कार के लिए बुलाए गए और उन्हें चुन लिया गया। यह अलग बात है कि जिन लोगों ने चुना, उन्होंने कोई काम नहीं दिया। वह निराश होने लगे थे और वापस पंजाब लौट जाने के बारे में सोचने लगे थे कि तभी उन्हें फिल्म 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' के लिए बुलाया गया और वहां काम मिल गया। इस बीच एक फिल्म के तीन भागीदार निमार्ताओं ने उन्हें साक्षात्कार के लिए बुलाया। सबने कहा कि लड़का तो अच्छा है, हीरा है लाखों का है और जब साइनिंग अमाउंट 1001 रुपए देने की बारी आई तो तीनों की जेब से मात्र 51 रुपए निकले... इस तरह वह मात्र 51 रुपए में हीरो चुन लिए गए। तभी उन्हें विमल राय का बुलावा आया। वह उनसे जाकर मिले। विमल दा बहुत कम बोलते थे और धर्मेंद्र की जगह उन्हें धर्मेंद्र कहते थे, उस दिन वह कुछ न बोले। आते वक्त बस एक बात बोले, जो काम किया है उसकी रील दिखाओ। अब धर्मेंद्र दुविधा में पड़ गए क्योंकि उन जैसे नए अभिनेता की रील लेबोरेटरी से देने को कोई भी तैयार नहीं होगा। तब उन्होंने लेबोरेटरी में जाकर उसके एडिटर को मक्खन लगाया और कुछ रील चुपचाप ले जाकर विमल दा को दिखाई। उन्होंने रील देखीं लेकिन कुछ बोला नहीं। फिर एक दिन बुलावा आया। वे मिले, वैसे ही चुपचाप। कहा बाहर बैठो। धर्मेंद्र दिनभर बाहर बैठे रहे। शाम को हताश होकर लौट ही रहे थे कि विमल दा नीचे उतरे और बोले तुमको हीरो लिया है, साइनिंग 1001 रुपए का ऊपर से चेक ले लो। क्रॉस चेक लेकर उड़े-उड़े जब घर पहुंचे तो मालूम हुआ इसको भुनाने के लिए बैंक में खाता खोलना होगा। खैर... इस तरह वह 'बंदिनी' के हीरो बने और सफलता के शिखर की ओर बढ़ चले...

चलते-चलते

इसके बाद उन्होंने एक छोटी फिएट गाड़ी ले ली जिसका रंग हरा और नंबर था एमआरएक्स 9144। गाड़ी लेने की सूचना उन्होंने सबसे पहले विमल दा को भाग कर दी। वे कुछ नहीं बोले और बाहर चले गए। उनका दिल दुखा... लगा कि पहली गाड़ी लेने के उनके सुख को साझा करने वाला भी कोई नहीं। घंटों उदास घूमते रहे तभी किसी ने उनके कंधे पर हाथ रखा, वह विमल दा थे, बोले तुम कुछ कह रहे थे धर्मेंद्र ?

जी नहीं तो?

झूठ, तुम कह रहे थे गाड़ी ली है? कहां है? दिखाओ...

जब धर्मेंद्र ने उन्हें गाड़ी दिखाई तो उन्होंने इतना उत्साह दिखाया जैसे पहली बार गाड़ी देखी हो। यह तो धर्मेंद्र को बाद में मालूम हुआ कि इन घंटों में वे कितने बड़े मानसिक तनाव में गुजर कर आए थे। तब तो एक बार फिर विमल दा के सामने उनका सिर श्रद्धा से झुक गया...

सनातन मानबिन्दुओं, प्रतीकों और आराध्यों की अवमानना का कुचक्र कब तक

रमेश शर्मा

स्वाधीनता के 77 वर्ष बाद भी सनातन धर्म के मानबिन्दुओं, परंपराओं, मान्यताओं और आराध्यों की अवमानना का कुचक्र रुकने का नाम नहीं ले रहा। हाल ही में एक वेब सीरीज रिलीज हुई है जिसमें कंधार विमान अपहरण कांड के आतंकवादियों के नाम "भोला" और "शंकर" रखे गये हैं। विरोध के बाद निमार्ता ने नाम बदलने की घोषणा कर दी। लेकिन इस सीरीज ने एक बार फिर सनातन विरोधी मानसिकता को उजागर किया है।

सनातन धर्म के प्रतीकों और आस्था स्वरूपों को अपमानित करने का अभियान सल्तनतकाल में आरंभ हुआ था। तब न केवल मंदिर और आस्था के प्रतीकों को ध्वस्त किया गया था अपितु हेयतम प्राणियों के नाम सनातन परंपरा के आराध्यों और अवतारों का नाम पर रख कर परिहास करने के विवरण इतिहास के पन्नों में मिलते हैं। सल्तनतकाल बीता, अंग्रेजीकाल आया। अंग्रेजीकाल में मंदिर, मूर्तियों या अन्य आस्था के प्रतीकों का विध्वंस तो रुका लेकिन अवमानना का कुचक्र यथावत रहा। अब यह बौद्धिक स्तर पर आरंभ हुआ। अंग्रेजीकाल में इतिहास और साहित्य रचना कुछ ऐसी शैली में हुई जिससे सनातन परंपराएँ और आदर्श के पात्र परिहास अथवा घृणा का कारण बनें। ऐसी कहानियाँ लिखीं गईं, कविता और एकांकी तैयार हुये, कुछ फिल्मों का निर्माण हुआ। इनमें सोच-समझकर ऐसा कथानक तैयार किया गया जिसमें भारतीय मानबिन्दु विवादास्पद बनें अथवा हास्यास्पद ताकि जन सामान्य उनसे दूर हो।

कितनी ऐसी फिल्में बनीं जिनमें आदर्श पौराणिक पात्र नारद जी को विदूषक की भाँति प्रस्तुत किया गया। एक फिल्म में नायक शिवमंदिर जाकर भगवान शिव को खरी-खोटी बातें सुनाता है। कितनी फिल्मों में पुजारियों की प्रस्तुति ऐसी हुई है मानों वे ढोंगी और पैसे ठगने वाले हों, अनेक फिल्मों में ठाकुरों को शराबी और शोषण कर्ता जैसी प्रस्तुति हुई। एक फिल्म में बनारस के गंगा घाट के एक पंडा का चरित्र कुछ ऐसा प्रस्तुत हुआ जो पूजा के बहाने श्रद्धालुओं की लूट और हत्या करता है। इन सबका उद्देश्य सनातन समाज को अपने मूल से दूर करना था।

इतिहास और साहित्य में एक ओर सनातन प्रतीकों पर आक्षेपात्मक प्रस्तुतियाँ हुईं। इस सबका उद्देश्य भारत को कमजोर करना था। सल्तनतकाल गया, अंग्रेजीकाल भी गया लेकिन यह कुचक्र न रुक सका। दीपावली आने पर प्रदूषण बचाने की बात हो, होली पर पानी बचाने का अभियान चले या मंदिरों के स्थान पर अस्पताल बनाने का सुझाव आये। आधुनिकता अथवा मानवीय आदर्श के बहाने केवल सनातन परंपराओं, प्रतीकों और आस्था पर ही प्रश्न उपस्थित होते रहे हैं। इतिहास और साहित्य में एक ओर सनातन प्रतीकों पर आक्षेपात्मक प्रस्तुतियाँ हुई और दूसरी ओर क्रूरतम अपराधियों और आतंकवादियों के कारनामों को ढंकने के प्रयास हुए। वर्ष 1921 में मालाबार में हिन्दुओं के सामूहिक नरसंहार को शोषण के विरुद्ध संघर्ष बताकर हत्यारों को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बताने का प्रयास हो या मुम्बई हमला, मालाबार ब्लास्ट आदि घटनाओं में आतंकवादियों के बजाय निर्दोष नागरिकों को फंसाने का कुचक्र भी निरंतर चल रहा है।

इसी कुचक्र को आगे बढ़ाने वाली अब एक वेब सीरीज आई है। यह वेब सिरीज वर्ष 1999 के कंधार विमान अपहरण पर आधारित है। वर्ष 1999 में आतंकवादी एक भारतीय विमान का अपहरण करके कंधार ले गये थे। तब इस घटना ने पूरे देश को आक्रांत कर दिया था। विमान का अपहरण करने वाले आतंकवादियों के नाम इब्राहिम अख्तर, शाहिद अख्तर, सनी अहमद, जहूर मिस्त्री और मोहम्मद शाकिर थे। पूरी दुनिया को स्तब्ध करने वाले इस विमान अपहरण कांड पर अब द कंधार ह्लक्ष 814ह्व नामक यह वेब सीरीज तैयार की गई है जो 29 अगस्त को सोशल मीडिया पर देखी गई। इसका निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है। इस सीरीज में विमान अपहरण करने वाले आतंकियों के असली नाम नहीं दिये गये। उनके स्थान पर अपहरण करने वाले आतंकवादियों के नाम "भोला" और "शंकर" रखे गये हैं। सीरीज की प्रस्तुति ऐसी है जिसमें ये दोनों अपहरणकर्ता एक-दूसरे को "भोला" और "शंकर" नाम कई बार संबोधित करते दिखाये गये हैं।

जबकि मीडिया की खबरों के अनुसार अपहरण के दौरान तब अपहरण कताओं ने एक-दूसरे के नाम नहीं लिये थे। लेकिन इस वेब सीरीज में दोनों अपहरणकर्ता बार-बार एक-दूसरे का नाम ले रहे हैं। सीरीज के सामने आते ही इसका विरोध हुआ। इस विरोध प्रदर्शन के बाद निमार्ताओं ने नाम बदलने की घोषणा कर दी। किन्तु यह आश्वासन नहीं दिया कि वे आतंकवादियों के सही नाम देंगे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दसलक्षण महामहोत्सव पर तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय कैंपस में बहेगी आस्था की बयार

-22 सितंबर को भव्य रथयात्रा महोत्सव के साथ होगा दसलक्षण महावर्प का समापन

-कर्मयोगी क्षुल्लकरत्न 105 श्री समर्पणसागर जी रथयात्रा महोत्सव में होंगे शामिल

मुरादाबाद, 08 सितम्बर (हि.स.)। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी मुरादाबाद में जिनालय से लेकर ऋद्धि-सिद्धि भवन तक पर्वाधिराज दसलक्षण महामहोत्सव द्वारा आस्था की बयार बहेगी। आगामी दस दिन तक दसलक्षण महापर्व में तीन दिन अति महत्वपूर्ण हैं।

भगवान पुष्पदंत मोक्ष कऊईउल्याणक महोत्सव विधि-विधानमारया से 11 सितंबर को होगा, श्री जिनवाणी विधान 15 सितबंर को, 17 सितंबर को अनन्त चौदस पर भगवान वासुपूज्य मोक्ष कल्याणक महोत्सव कार्यक्रम होगा। ये सभी कार्यक्रम शिखर जी से आए प्रतिष्ठाचार्य ऋषभ जैन शास्त्री के सानिध्य में होंगे। भोपाल से सिद्धार्थ जैन एंड पार्टी अपनी भक्तिमय सुर और साज में आस्था के सागर में डुबकी लगवाएंगे। दसलक्षण महामहोत्सव के अगले दिन 18 सितंबर को कुलाधिपति आवास- संवृद्धि में श्रावक/श्राविकाओं का पारणा होगा। टीएमयू कैंपस में बड़ी धूमधाम से भव्य रथयात्रा महोत्सव 22 सितंबर को निकलेगी, जिसमें कर्मयोगी क्षुल्लकरत्न 105 श्री समर्पणसागर जी महाराज की गरिमामयी मौजूदगी रहेगी।

विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी श्याम सुंदर भाटिया ने बताया कि मुरादाबाद मंडल के अलावा आसपास जिलों से जैन समाज के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। उल्लेखनीय है, ऋद्धि-सिद्धि भवन में प्रतिदिन शाम को 6:30 बजे से साढ़े 7:30 बजे तक आरती हुआ करेगी, जबकि टीएमयू के ऑडिटोरियम के मंच पर देर शाम 7:30 बजे से रात 8:15 बजे तक प्रवचन हुआ करेंगे। 8:15 बजे से कॉलेज वार सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति होगी।

कार्यक्रम में टीएमयू कुलाधिपति सुरेश जैन, बीना जैन, ग्रुप वाइस चेयरमैन मनीष जैन, ऋचा जैन, एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर अक्षत जैन, जहान्वी जैन, मेंबर ऑफ गवर्निंग बॉडीएऔफायव औशम नंदिनी जैन के संग-संग फैकल्टीज और सैकड़ों श्रावक और श्राविकाएं मौजूद रहेंगे।

दहेज हत्या की अभियुक्त गिरफ्तार

*फिरोजाबाद। थाना रसूलपुर पुलिस ने दहेज हत्या की वाँछित अभियुक्ता को इंदौर से गिरफ्तार किया है।

पुलिस टीम ने वाँछित अभियुक्ता नैन्सी पुत्री महिपाल निवासी गुरुदेव नगर थाना रसूलपुर को गिरफ्तार किया ही। उसे नन्दबाग खाटू श्याम वाली गली मे सगींता का किराये का मकान इन्दौर मध्य प्रदेश से पकड़ा है।

निःशुल्क दवाई एवं पढ़ाई के मुद्दे के साथ जमीन पर उतरेगी आरपीआई

लखनऊ, 8 सितंबर (हि.स.)। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) उत्तर प्रदेश के हर जिले में कार्यकारिणी का गठन कर रही है। सितंबर महीने के आखिर तक सभी जिलों के कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। उसके बाद अक्टूबर से आरपीआई हर ज़िले में निःशुल्क दवाई एवं निःशुल्क पढ़ाई के एजेंडे के साथ जमीन पर उतरेगी। यह बात रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता ने जेसी गेस्ट हाउस, निरालानगर लखनऊ में हुई प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कही।

पवन भाई गुप्ता ने कहा कि वर्तमान समय में मध्यम वर्ग, गरीब महंगे इलाज से बर्बाद हो रहा है। महंगी शिक्षा से तमाम परिवार अपने बच्चों को शिक्षित नहीं कर पा रहे हैं। आरपीआई ने मध्यम एवं गरीब वर्ग को इस बदनसीबी से निकालकर उनके जीवन को बेहतर बनाने का संकल्प लिया है। निःशुल्क शिक्षा, निःशुल्क चिकित्सा आरपीआई का लक्ष्य है। आगामी अक्टूबर से हर ज़िले में आरपीआई इसको लेकर धरना-प्रदर्शन करेगी और जनता का समर्थन जुटाएगी।

पवन भाई गुप्ता ने कहा कि आगामी जिला पंचायत चुनाव से आरपीआई चुनावी मैदान में उतरने जा रही है। जिला पंचायत की समस्त सीटों पर आरपीआई चुनाव लड़ने जा रही है। साथ ही विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी में भी आरपीआई जुटी है।

पवन भाई गुप्ता ने कहा कि उत्तर प्रदेश की समस्त विधानसभा सीटों पर आरपीआई विधानसभा प्रभारियों की नियुक्ति कर रही है। निःशुल्क शिक्षा एवं निःशुल्क चिकित्सा के विजन के साथ उत्तर प्रदेश की जनता के कल्याण की दिशा में पार्टी अग्रसर है। उन्होंने कहा कि आरपीआई हर दलित, शोषित, वंचित, पिछड़े, अल्पसंख्यक समुदाय की आवाज बन रही है।

प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में प्रदेश प्रवक्ता पीसी चौधरी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य इंजीनियर उमाशंकर, प्रदेश महामंत्री विद्याकांत शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष आर.के. सिंह, मुरादाबाद मंडल के प्रभारी सलीम मलिक सहित तमाम पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के सदस्यता रथ को धर्मपाल सिंह ने झण्डा दिखाकर किया रवाना

लखनऊ, 8 सितंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने रविवार को प्रदेश मुख्यालय से अल्पसंख्यक मोर्चा के सदस्यता रथ को पार्टी का झण्डा दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ल, क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा व अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बासित अली सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल ने कहा कि सदस्यता अभियान के दौरान 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नव मतदाताओं सहित समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को भी पार्टी का सदस्य बनाना है। सदस्यता अभियान के दौरान हमें हर घर हर वर्ग तक प्रदेश व केन्द्र सरकार की योजनाओं की जानकारी देना है।

अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने बताया कि सदस्यता रथ के माध्यम से अल्पसंख्यक मोर्चा भाजपा की विचारधारा और नीतियों से लोगों को जोड़ते हुए उन्हें पार्टी का सदस्य बनायेगी।

मुख्यमंत्री योगी ने दी अम्बेडकर नगर को 1231 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

अम्बेडकर नगर 8 (हि. स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अंबेडकरनगर में 1,231 करोड़ की 6,778 विकास

परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। युवक मंगल दल एवं महिला मंगल दल के सदस्यों को स्पोर्ट्स किट का वितरण भी किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सभी पार्टियों ने केवल तुष्टिकरण की नीति के साथ काम किया। पहले दशहरा दुर्गा पूजा किसी भी धर्मिक योजना को बिना विवाद के नहीं होने देते थे।

उन्होंने कहा कि आज जल जीवन मिशन की योजनाएं हों या फिर शिलान्यास की योजना, शिव बाबा मंदिर या श्रवण धाम, सब की विकास की योजना का शिलान्यास करने जा रहे हैं। 140 नलकूपों का भी शिलान्यास करने जा रहे हैं। कटहरी के बाईपास के निर्माण को भी हम स्वीकृत कर रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि हर हाथ को काम हर खेत को पानी मिले। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था हम सबको काम देंगे, सबका विकास करेंगे। यदि सबका साथ सबका विकास न होता तो क्या जम्मू कश्मीर में धारा 370 खत्म हो पाती। आज अयोध्या में राम मंदिर के संकल्प का भी कार्य पूरा हुआ है।अकेले अम्बेडकर नगर में 56 लाख गरीबों के मकान बने हैं।जो सड़कें, हाइवे बन रहे हैं, इन सड़को पर क्या केवल भाजपा के लोग जाएंगे या हिंदू ही जाएगा क्या ? बिना भेदभाव के सभी योजनाओं का लाभ दिया गया है।

ट्रांसपोर्ट नगर हादसा : घायलों की सेवा में जुटे संघ के स्वयंसेवक

लखनऊ, 8 सितंबर (हि.स.)। लखनऊ के ट्रांसपोर्ट नगर में शनिवार को तीन मंजिला काम्पलेक्स गिरने के बाद से ही घायलों की सेवा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक लगे हैं। काम्पलेक्स ढहने के बाद उसके मलबे में

दबकर 08 लोगों की मौत हो गयी और 22 अन्य घायलों को राजनारायण लोकबंधु अस्पताल और किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में भर्ती कराया गया।

सूचना मिलते ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दर्जनों स्वयंसेवक सेवा भारती के आलोक कुमार के साथ घटनास्थल पर राहत व बचाव कार्य के लिए पहुंच गये। सूचना मिलते ही प्रशासन ने सतर्कता दिखाई। पुलिस और दमकल के साथ ही राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) व राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमें पहुंच कर परिसर को अपने कब्जे में लेकर राहत व बचाव कार्य में लग गयीं। पिलर और सीमेंट का मलबा काटकर लोगों को निकाला गया। घायलों को लोकबंधु व केजीएमयू में भर्ती कराया गया।

लोकबंधु अस्पताल में सुभाष नगर के सह नगर कार्यवाह रमाकान्त संघ कार्यकताओं के साथ रातभर डटे रहे। अस्पताल में भर्ती घायलों में अधिकांश मजदूर थे। उनके परिजनों का पता नहीं था। इसलिए स्वयंसेवकों ने जांच व उपचार में सहयोग किया। वहीं केजीएमयू में पश्चिम भाग के धर्म जागरण प्रमुख रूपेश जी संघ कार्यकताओं के साथ रातभर डटे रहे। केजीएमयू में भर्ती मरीजों की स्वयंसेवकों ने हर प्रकार से चिंता की। प्रशासनिक व्यवस्था के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता स्वयंसेवक बंधु सेवा कार्य में रात भर लगे रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह विभाग कार्यवाह ब्रजेश ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि संघ के स्वयंसेवक इस आपदा की घड़ी में लगे प्रशासनिक अधिकारियों, एनडीआरएफ सहित पुलिस जवानों को भोजन, पानी के साथ ही रात भर हर दो घंटे पर चाय वितरित कर सहयोग प्रदान किया।

ट्रांसपोर्ट नगर हादसे में घायलों से मिलने अस्पताल पहुंचे मुख्यमंत्री योगी

-बिल्डिंग मालिक पर मुकदमा दर्ज

लखनऊ, 08 सितम्बर (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को ट्रांसपोर्ट नगर हादसे में घायल लोगों का हालचाल लेने के लिए लोकबंधू अस्पताल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने मरीज और तीमारदारों से बातचीत के बाद चिकित्सकों को बेहतर इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए। इस घटना में आठ लोगों की जान जा चुकी है और 28 लोग घायल हैं। एनडीआरएफ-एसडीआरएफ की टीम अब भी रेस्क्यू अभियान चला रही है।

सरोजनी नगर पुलिस ने ट्रांसपोर्ट नगर चौकी इंचार्ज महेश कुमार की तहरीर पर हरमिलाप टॉवर के मालिक राकेश सिंघल पर मुकदमा दर्ज किया है। एफआईआर में कहा गया है कि इमारत बनाने में पैसे को बचाते हुए घटिया सामग्री का इस्तेमाल हुआ है। इसी किरायेदारों का आरोप है कि बिल्डिंग जर्जर होने की शिकायत के बावजूद मालिक उस पर ध्यान नहीं देता था। मानकों का उल्लंघन करते हुए कामर्शियल बिल्डिंग किराये पर देने लगा। उस पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, इस मामले में लखनऊ विकास प्रधिकरण ने भी अपनी छानबीन शुरू कर दी है। बगल वाली बिल्डिंग भी जर्जर होने की वजह से सील किया गया है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शनिवार की शाम को तीन मंजिला हरमिलाप नाम की इमारत ढह गई थी। इसमें कई लोगों के दबने की सूचना पर राहत बचाव के लिए एनडीआरएफ-एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस के फायर बिग्रेड की टीम जुटी रही। 20 घंटे से अधिक का समय होने पर अब भी टीम रेस्क्यू आपरेशन कर रही है। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई थी और 28 घायल हैं। घायलों को तीन अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घायलों का हाल चाल लेने के लिए लोकबंधू अस्पताल पहुंचे। यहां पर घायल प्रत्येक मरीज के पास जाकर उन्होंने उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री के साथ महापौर सुषमा खर्कवाल, मंडलायुक्त रोशन जैकब, जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार, समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

लखनऊः इमारत ढहने की घटना में मृतकों की संख्या 8 तक पहुंची

लखनऊ, 08 सितम्बर (हि.स.)। ट्रांसपोर्ट नगर के पास शनिवार शाम तीन मंजिला इमारत ढहने की घटना में मरने वालों की संख्या रविवार सुबह तक 8 हो गई है। कई घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन में 28 लोगों को मलबे से निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

राहत विभाग की ओर से रविवार को बताया गया कि सरोजनी नगर के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित तीनमंजिला इमारत अचानक भरभराकर गिर गयी। इस कारण मलबे में दब कर आठ व्यक्तियों की मौत हो गई। मरने वालों की पहचान आशियाना के पंकज (40), बंथरा निवासी धीरज (48),आलमबाग रोड निवासी अरुण सोनकर, राजकिशोर (27) और गोमती नगर निवासी जसमीत सिंह साहनी (41) के रूप हुई है। देर रात तीन और शव निकाले गए उनकी पहचान राज किशोर, रूद्र यादव, जगरूप सिंह के रूप में हुई है।

घायलों में राजेंद्र, भानू, शत्रुघ्न, शिवमोहन, प्रवीना, शांतिदेवी, आदर्श यादव, काजल, आकाश कुमार, आकाश सिंह, विनोद यादव, आदित्य, आकाश कुमार, अनूप कुमार मौर्य, बहादुर, ओम प्रकाश, हेमंत पाण्डे, सुनील, दीपक कुमार, विनीत कश्यप, लक्ष्मी शंकर, अतुल राजपूत, नीरज, लक्ष्मी शंकर, शशांक, सोनू उर्मिला और एक अज्ञात का इलाज अस्पताल में चल रहा है। हादसे में पांच महिलाएं और 23 पुरुष घायल हैं।

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस, पीएसी, स्थानीय पुलिस, फायर बिग्रेड की टीम ने कई घंटों तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला कर मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला। तीन अलग-अलग अस्पतालों में घायलों का इलाज चल रहा है।

जनता की समस्याओं का कराएं त्वरित और निष्पक्ष निस्तारणः सीएम योगी

गोरखपुर, 8 सितंबर (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे जनता की समस्याओं का पारदर्शी और निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित कराएं। जनता की हर समस्या को संवेदनशीलता से लिया जाना चाहिए और उसके समाधान के लिए त्वरित प्रभावी कार्यवाही की जानी चाहिए। यह ध्यान रहे कि किसी के भी साथ अन्याय न होने पाए। जन समस्याओं के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिली तो संबंधित जिम्मेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई तय है।

सीएम योगी ने ये निर्देश रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में आए लोगों की समस्याएं सुनने के दौरान दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में मुख्यमंत्री ने करीब 400 लोगों से मुलाकात की। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक खुद पहुंचे और समस्या सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। ध्यान से उनकी बात सुनने के बाद पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने समस्या लोगों से कहा कि चिंता मत करिए, सबकी समस्या दूर करने के लिए सरकार संकल्पित है। हर पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर सुनिश्चित कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान कराया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अलग-अलग

मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। अपराध से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को दो निर्देशित किया कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

धन के अभाव में नहीं रुकेगा किसी का इलाज

जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भरपूर मदद देने का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

मंदिर की गोशाला में सीएम ने की गोसेवा

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान रविवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन करने, अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेकने के बाद सीएम योगी गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में उन्होंने गोवंश को खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया।

सुल्तानपुर एनकाउंटर की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच हो : माले

लखनऊ, 08 सितम्बर (हि.स.)। भाकपा (माले) ने सुल्तानपुर एनकाउंटर की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच की मांग की है। पार्टी ने कहा है कि मृतक मंगेश यादव के परिजनों के कथन और मुठभेड़ की पुलिसिया कहानी में जमीन आसमान का फर्क है, लिहाजा सच्चाई का पता लगाने के लिए निष्पक्ष जांच जरुरी है।

राज्य सचिव सुधाकर यादव ने रविवार को जारी बयान में कहा कि प्रदेश में कानून का राज खत्म हो गया है। बुलडोजर राज, पुलिस राज और एनकाउंटर राज मौजूदा सरकार की पहचान से जुड़ गए हैं। संविधान को ताक पर रखकर योगी सरकार न्यायपालिका के फैसले खुद करने लगी है।

मुख्यमंत्री योगी की पुलिस ने भी आरोपियों को न्यायालय से दंड दिलाने की जगह खुद ही दंड देने का जिम्मा ले लिया है। ऐसा मुख्यमंत्री द्वारा पुलिस को दी गई खुली छूट के कारण है। प्रदेश में 'ठोक दो' की नीति चल रही है। एनकाउंटरों में हत्या को 'उपलब्धि' के रुप में प्रचारित किया जाता है। हिरासती मौतों से लेकर फर्जी एनकाउंटरों में प्रदेश अव्वल बना हुआ है। लोकतंत्र और संविधान को अन्यथा शर्मिंदा करने वाली ये बातें योगी सरकार के लिए गौरव का विषय हैं, जिस पर भाजपा नेतृत्व उसकी पीठ भी थपथपाता है।

माले नेता ने कहा कि कानून के अनुसार अपराध कितना ही बड़ा क्यों न हो, दंड का निर्धारण न्यायालय को करना होता है। लेकिन यहां सरकार और पुलिस ही सब कुछ कर रही है। सुल्तानपुर एनकाउंटर मामले में मृतक के परिजनों का पुलिस पर स्पष्ट आरोप है कि वह एनकाउंटर से दो दिन पहले पूछताछ के लिए आरोपी मंगेश यादव को पकड़कर ले गई थी और गुरुवार को उसकी हत्या कर एनकाउंटर का रुप दे दिया। यदि इसमें सच्चाई है, तो आरोपी से बड़ा अपराध पुलिस और एसटीएफ ने किया है, जो उसे आत्मरक्षा में मार गिराने का दावा कर रहे हैं। इससे पहले भी कई एनकाउंटरों की पुलिसिया कहानियां जांच में फर्जी साबित हुई हैं और दोषी पुलिसकर्मी अदालतों से दंडित हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि मौत की मजिस्ट्रेटी जांच सच्चाई जानने के लिए पर्याप्त नहीं है, क्योंकि इस घटना में योगी सरकार की शक्तिशाली पुलिस शामिल है।

राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कांठ प्रीमियर लीग का शुभारंभ

मुरादाबाद, 08 सितम्बर (हि.स.)। कृष्णावती बैडमिंटन क्लब कांठ मुरादाबाद के तत्वावधान में राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कांठ प्रीमियर लीग का शुभारंभ रविवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्टेडियम रामगंगा विहार में हुआ। लीग का शुभारंभ मुख्य अतिथि कोठीवाल डेंटल कॉलेज रिसर्च सेंटर के निदेशक डॉ. केके मिश्रा, विशिष्ट अतिथि स्प्रिंगफील्ड कॉलेज के प्रबंध विपिन जेटली ने दीप प्रज्वलित करके व फीता काटकर किया।

कृष्णावती बैडमिंटन क्लब कांठ के प्रबंधक अचल विश्नोई ने बताया कि राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कार्ड प्रीमियर लीग में मुरादाबाद के अलावा बरेली, आगरा, बिजनौर, बदायूं, अमरोहा, संभल आदि जनपदों के खिलाड़ी प्रतिभा कर रहे हैं। प्रीमियर लीग में 18 टीमों में 72 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता का परिणाम आज देर रात घोषित किया जाएगा।

मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. केके मिश्रा ने कहा कि जो खिलाड़ी खेल के मैदान में पसीना बहाते हैं, वह निश्चित ही सफलता को प्राप्त करते हैं। कोई भी खिलाड़ी अपने लिए खेल में नहीं खेलता है, वह अपने जिले, प्रदेश और देश के लिए खेलता है। प्रतियोगिता में जब उसे जीत हासिल होती है तो उसके शहर का नाम, प्रदेश का नाम और देश का नाम ऊंचा होता है।

प्रीमियर लीग कार्यक्रम का संचालन निमित जायसवाल ने किया । इस मौके पर आयोजकों के द्वारा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर पूर्व जूडो कोच सतीश चंद्र शर्मा, बैडमिंटन प्रशिक्षक आसिफ सिद्दीकी, भाजपा पार्षद सुरेंद्र विश्नोई, योगेश शर्मा, देशकांत त्यागी, नरेंद्र बिश्नोई आदि रहे।

करंट लगने से युवक की मौत, पिता झुलसे

मीरजापुर, 08 सितंबर (हि.स.)। अहरौरा थाना क्षेत्र के हिनौता सिकर गांव में शनिवार रात दूध की बाल्टी खूंटी पर टांगने के दौरान अचानक स्विच बोर्ड से छू जाने पर बाल्टी में उत्तरे करंट से झुलसकर युवक की मौत हो गई। बेटे को बचाने पहुंचे पिता भी झुलस गए।

शिऊर गांव निवासी गोविंद (30) शनिवार की रात दूध की बाल्टी को घर की खूंटी पर टांग रहा था। इसी दौरान खूंटी के पास लगे स्विच बोर्ड में बाल्टी के छू जाने से उसमें करंट उतर गया। उसकी चपेट में गोविंद गम्भीर रूप से झुलस गया। शोरगुल सुन पिता श्यामलाल भी मौके पर पहुंचे और बेटे को बचाने की कोशिश में झुलस गए। परिजन दोनों को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सक ने गोविंद को मृत घोषित कर दिया। पिता श्यामलाल को उपचार के बाद घर भेज दिया।

थानाध्यक्ष बृजेश सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

लखनऊ में इमारत ढहने मामले में पांच मृतकों की शिनाख्त, 28 घायल

लखनऊ, 07 सितम्बर (हि.स.)। ट्रांसपोर्ट नगर के पास शनिवार की शाम को ढहे तीन मंजिला इमारत के मलवे में दबे लोगों को निकालने के लिए कई घंटे तक रेस्क्यू अभियान चला। इस दौरान 28 लोगों को बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है।

राहत विभाग की ओर से बताया गया है कि सरोजनी नगर के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित तीन मंजिला इमारत अचानक भरभराकर गिर गयी।

इस कारण मलबे में दबकर पांच व्यक्तियों की मौत हो गई। मरने वालों की पहचान आशियाना के पंकज (40), बंथरा निवासी धीरज (48),आलमबाग रोड निवासी अरुण सोनकर, राजकिशोर (27) और गोमती नगर निवासी जसमीत सिंह साहनी (41) के रूप हुई है।

घायलों में राजेंद्र, भानू, शत्रुघ्न, शिवमोहन, प्रवीना, शांतिदेवी, आदर्श यादव, काजल, आकाश कुमार, आकाश सिंह, विनोद यादव, आदित्य, आकाश कुमार, अनूप कुमार मौर्य, बहादुर,

ओम प्रकाश, हेमंत पाण्डे, सुनील, दीपक कुमार, विनीत कश्यप, लक्ष्मी शंकर, अतुल राजपुत, नीरज, लक्ष्मी शंकर, शशांक, सोनू और उर्मिला का इलाज अस्पताल में चल रहा है। इस हादसे में पांच महिलाएं और 23 पुरुष घायल हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस, पीएसी, स्थानीय पुलिस, फायर बिग्रेड की टीम ने कई घंटों तक रेस्क्यू अभियान चलाकर मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने में सफल रहे।

बाढ़ के बाद गंगाघाटों पर नमामि गंगे और नगर निगम ने शुरू किया स्वच्छता की मुहिम

वाराणसी, 08 सितम्बर (हि.स.)। गंगा नदी में बाढ़ का पानी उतरने के बाद बदहाल घाटों की सूरत बदलने के लिए नमामि गंगे के स्वयंसेवकों के साथ नगर निगम के कर्मचारियों ने रविवार को दशाश्वमेध घाट पर वृहद स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान के तहत घाट पर बिखरे व गंगा नदी में बहते पूजा सामग्री और बाढ़ के अवशिष्ट को बाहर निकाला गया। दशाश्वमेध घाट पर नमामि गंगे व नगर निगम की टीम ने एक टन से अधिक कचरा गंगा से बाहर निकाला।

गंगा सफाई के इस अभियान में नगरवासी भी अपनी हिस्सेदारी निभा रहे हैं। गंगा तट और घाटों पर सफाई के साथ ही नमामि गंगे के वॉलंटियर लोगों को गंगा सफाई के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं। काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने बताया कि बाढ़ के बाद गंगा की तलहटी और सतही जल में कई तरह की चीजें आ जाती हैं जिनसे गंगाजल प्रदूषित होता है। साथ ही, उसे गंदा भी करती हैं। ऐसे ही नदी में बहती और तैरती चीजों की हम लोगों ने सफाई की है। ताकि गंगा घाट से लेकर तलहटी तक स्वच्छता दिखे। उन्होंने कहा कि बनारस में पिछले दिनों आई बाढ़ के बाद सभी घाटों पर सिल्ट (गाद) का अंबार है। इस सिल्ट में कई सारी चीजें हैं जो गंगा को न सिर्फ मैला कर रही हैं, बल्कि यहां आने वाले पर्यटकों के लिए भी आफत बनी हुई है। ऐसे में गंगा घाटों पर फैली इन दुर्व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए नमामि गंगे और नगर निगम की टीम ने लगातार सफाई अभियान की मुहिम छेड़ रखी है । स्वच्छता अभियान में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन नई दिल्ली के प्रतिनिधि अथर्वराज पांडेय विशेष रूप से उपस्थित रहे। स्वच्छता की मुहिम में नगर निगम सुपरवाइजर कामेश्वर सेठ, सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे।

बागपत में पिलर से बस टकराई, 15 श्रद्धालु घायल

बागपत, 8 सितंबर (हि.स.)। श्रद्धालुओं से भरी निजी बस रविवार को मुजफ्फरनगर से बागड़ जा रही थी। पिलाना भट्टे के पास हाइट गेज बैरियर से बस टकरा गई। हादसे में 15 श्रद्धालु घायल हो गये। जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं से उनका हाल जाना और चिकित्सकों को जरूरी निर्देश दिये।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि रविवार को श्रद्धालु निजी बस से मुजफ्फरनगर से बागड़ राजस्थान जाहरवीर बाबा के दर्शन करने जा रहे थे। प्राइवेट बस पिलाना भट्टे के पास लगे हाइट गेज बैरियर से टकरा गई। बस चालक नफीस, श्रद्धालु मंगल सेन, राजेंद्र प्रसाद, अमित, अजय, पृथ्वी, भारत, सुनील, अर्णव, प्रेमवती, सुनीता, राजवती, ज्योति समेत 15 श्रद्धालु घायल हो गए।

राहगीरों ने घायलों को प्राइवेट बस से निकलकर एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिलाना पर भर्ती कराया, जहां पर डाक्टरों ने प्राइवेट बस चालक नफीस और श्रद्धालु मंगल सेन व राजेंद्र प्रसाद की हालत नाजुक देखते हुए हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

जिलाधिकारी ने भी पिलाना अस्पताल पहुंचकर श्रद्धालुओं से मुलाकात की। उनका हाल जाना है। जिला अस्पताल से भी डॉक्टरों को पिलाना अस्पताल में लगाया गया है। सभी चिक्त्सिकों को जरूरी निर्देश दिये है।

गाजियाबाद : दो अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की दर्दनाक मौत

-कैंटर ने सड़क के किनारे हवा चेक कर रहे चालक-परिचालक को रौंदा, बेलगाम बस ने स्कूटी को कुचला

गाजियाबाद, 8 सितंबर (हि.स.)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में सड़क हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। रविवार को दो सड़क हादसे हुए जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। एक हादसा दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे पर हुआ जबकि दूसरा विजयनगर इलाके में नए बस अड्डे से एनएच 9 को जोड़ने वाले रोड पर हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और चारों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर रविवार की सुबह करीब आठ बजे एक तेज रफ्तार कैंटर ने सड़क किनारे खड़े दो एक कैंटर चालक व परिचालक को टक्कर मार दी। दोनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह दुर्घटना हवा हवाई रेस्तरां के पास मेरठ-दिल्ली जाने वाली लेन पर उस समय हुई जब कैंटर सड़क किनारे लगाकर दो युवक टायर चेक कर रहे थे

पुलिस के मुताबिक हरिद्वार से माल लेकर महाराष्ट्र के पुणे जा रहे कैंटर चालक मेरठ के लावड़ निवासी सुनील और किठौर निवासी सचिन हवा हवाई रेस्तरां के पास कैंटर सड़क किनारे लगाकर टायर चेक कर रहे थे।

इसी बीच पीछे से आए तेज रफ्तार एक अन्य कैंटर ने दोनों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि टक्कर मारने वाले कैंटर चालक हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। उसने झपकी आने की वजह से टक्कर लगना बताया है।

इसके अलावा आज सुबह ही थाना विजयनगर क्षेत्र अंतर्गत नया बस अड्डे से नेशनल हाईवे 9 की तरफ जा रही रोड पर एक तेज रफ्तार बस ने स्कूटी सवार दो लोगों को रौंद दिया। दोनों की ही मौके पर मौत हो गयी। मरने वालों के नाम सुशील और आजाद थे। सुशील त्रिलोकपुरी दिल्ली का निवासी था, जबकि आजाद खोड़ा कालोनी का निवासी बताया जा रहा है। पिछले दो दिनों के सड़क हादसों के आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक सड़क हादसों में आठ लोगों की मौत हो चुकी है। शुक्रवार की देर रात अंबेडकर रोड पर एक तेज रफ्तार राइस यादव की कार में ई रिक्शा को टक्कर मार दी थी। जिसमें ई रिक्शा चालक पिंटू उसके भतीजे अक्षय की मौत हो गई थी। घटना के विरोध में शनिवार को लोगों ने सिहानीगेट थाने का घेराव किया था और अंबेडकर रोड पर जाम भी लगाया था। इसी रात को मसूरी क्षेत्र में एक तेज रफ्तार वाहन ने मोटरसाइकिल पर जा रहे डसना निवासी उमर फारूक को टक्कर मार दी थी जिसमें उमर फारूक में उसकी बेटी जैनब की मौके पर ही पहुंचे हो गई थी जबकि उसके पुत्रवधू और पोता घायल हो गया था।

सरकारी खजाने से लाखों रुपये की धनराशि उड़ाने वाले एडीओ पंचायत निलंबित

बिजनौर, 8 सितम्बर (हि.स.) विकासखंड नजीबाबाद और हल्दौर से प्रशासनिक मद के खाते से लाखों रुपये उड़ाने वाले एडीओ पंचायत विवेक शर्मा को निदेशक पंचायती राज ने निलंबित कर दिया है। एडीओ ने नजीबाबाद और हल्दौर ब्लॉक के एकल प्रशासनिक खाते से लाखों रुपये उड़ाए थे।

निदेशक पंचायतीराज अटल कुमार राय ने जांच के बाद नजीबाबाद ब्लॉक में कार्यरत रहे एडीओ पंचायत विवेक शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। एडीओ ने नजीबाबाद ब्लॉक के प्रशासनिक मद खाते से लाखों की धनराशि 15 दिसंबर 2023 से 10 जून 2024 के मध्य कई बार में एकल हस्ताक्षर से निकाली थी।

नजीबाबाद से स्थानांतरण के बाद भी एडीओ द्वारा सरकारी खाते से धनराशि निकाली गई। इसके बाद जांच प्रक्रिया में हल्दौर विकासखंड से भी लाखों रुपये सरकारी खाते से उड़ाने का मामला प्रकाश में आया।

आरोप है कि एडीओ पंचायत विवेक शर्मा ने नजीबाबाद ब्लॉक के प्रशासनिक मद खाते से पांच लाख रुपये और विकास खंड हल्दौर के प्रशासनिक खाते से करीब 4.22 लाख रुपये की धनराशि एकल हस्ताक्षर से निकाली थी।

लोलार्क कुण्ड में आधी रात के बाद शुरू होगा स्नान, एक दिन पहले ही श्रद्धालु पहुंचे

—मान्यता है कुंड में स्नान और लोलार्केश्वर महादेव की पूजा करने से संतान की प्राप्ति होती है, देश के कोने—कोने से जुटते हैं श्रद्धालु

वाराणसी, 08 सितम्बर (हि.स.)। भाद्रपद शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि सोमवार को भदैनी स्थित लोलार्क कुण्ड में लाखों श्रद्धालु संतान की आस में डुबकी लगाएंगे। कुंड में आधी रात के बाद स्नान के लिए हजारों श्रद्धालु रविवार दोपहर में ही भदैनी पहुंच कर कतारबद्ध हो गए। देश के कोने-कोने से आए श्रद्धालु कतार में ही जमीन पर बैठ कर स्नान पर्व में डुबकी लगाने के लिए लालायित दिखे। कुंड में स्नान के लिए उमड़ने वाली संभावित भीड़ की सुरक्षा के लिए जिला प्रशासन ने भी पूरी तैयारी की है।

अपर पुलिस आयुक्त एस चनप्पा, काशी जोन के डीसीपी गौरव बंशवाल ने लोलार्क कुंड पहुंच कर सुरक्षा प्वाइंटों को देखा और पुलिस अफसरों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मेले में सुरक्षा कारणों से प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग द्वार बनाया गया है। कुंड के भीतर एनडीआरएफ और जल पुलिस के जवान सुरक्षा कारणों से तैनात रहेंगे। वालंटियर भी मदद के लिए वहां मौजूद रहेंगे। अफसरों के अनुसार श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पांच एडिशनल एसपी, 08 सीओ, 14 निरीक्षक, 40 उपनिरीक्षक सहित 200 पुलिसकर्मी, 100 महिला पुलिसकर्मी, एक कंपनी पीएसी और एक कंपनी पैरामिलिट्री फोर्स तैनात रहेगी।

उल्लेखनीय है कि भदैनी स्थित पौराणिक लोलार्क कुंड में स्नान और लोलार्केश्वर महादेव की पूजा करने से मान्यता है कि संतान की प्राप्ति होती है। व्रतियों की गोद भगवान सूर्य की कृपा से अवश्य भरती है। काशी खंड के 32वें अध्याय में उल्लेख है कि लोलार्क कुंड स्थित मंदिर में स्वयं माता पार्वती ने शिवलिंग की पूजा की थी। कहा जाता है कि पांडवों ने भी यहां कुंड में स्नान किया था। भगवान सूर्य की पहली लाल किरण इस स्थल पर पड़ी थी जिसके कारण इसे 'सूर्य लोल' कहा गया और इसी कुंड में भगवान सूर्य का चक्र भी गिरा था।

क्षेत्रीय नागरिक रमेश पांडेय बताते हैं कि भाद्र शुक्ल पक्ष की षष्ठी के दिन पुत्र प्राप्ति की कामना से सूर्य भगवान को प्रसन्न करने के लिए इस लोलार्क कुंड में सपत्नीक स्नान करने का विधान है। स्नान करने के बाद अपने शरीर पर पहने हुए वस्त्र को वहीं त्याग कर नवीन वस्त्र धारण कर लिया जाता है। एक फल बेल, धतूर का फल, लौकी, कोहड़ा आदि कुंड में छोड़ा जाता है। उसे जीवन पर्यंत नहीं खाया जाता। कुंड में स्नान के बाद जिसकी मनोकामना पूर्ण हो जाती है, वह मां गंगा, लोलार्क बाबा (सूर्यदेव), भोले बाबा महादेव को कढ़ाही चढ़ाते हैं। इसी दिन अघोराचार्य बाबा कीनाराम का जन्म रविन्द्रपुरी स्थित अघोर शोध एवं सेवा संस्थान क्रीं कुंड में मनाता है। सुबह प्रभात फेरी के बाद पीठाधीश्वर सिद्धार्थ गौतमराम औघड़-अघोरेश्वर समाधियों का दर्शन-पूजन कर श्रद्धालुओं को दर्शन देते हैं।

हाईकोर्ट ने गरीब की जेल से रिहाई में बाधा डालने वाली मनमाने जमानत शर्तों के खिलाफ दी चेतावनी

प्रयागराज, 08 सितम्बर (हि.स.)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निचली अदालतों द्वारा गरीब व्यक्तियों की जेल से रिहाई में बाधा डालने वाली मनमाने जमानत शर्तों के खिलाफ चेतावनी दी है। न्यायालय ने कहा कि यह ट्रायल कोर्ट की जिम्मेदारी है कि वह अभियुक्त को जमानत पर रिहा करने के लिए जमानतदार तय करते समय अभियुक्त की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर विचार करें।

हाईकोर्ट ने आगरा जिले के अरमान की जमानत अर्जी पर आदेश पारित करते हुए ट्रायल कोर्ट को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि जमानत देने के आदेशों को जमानत आवेदक की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर विचार किए बिना निर्धारित मनमानी जमानत शर्तों के कारण जमानत आदेश विफल नहीं किया जाना चाहिए।

न्यायालय ने कहा कि कई लोग जो आर्थिक रूप से गरीब हैं या समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों से हैं, वे ऐसी जमानत शर्तों का पालन करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। न्यायमूर्ति अजय भनोट ने कहा कि यह ट्रायल कोर्ट की जिम्मेदारी है कि वे जमानतदार तय करते समय आरोपित की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर विचार करें।

हाईकोर्ट ने आदेश में कहा, ह्यह एक गम्भीर मामला प्रतीत होता है। समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों या आर्थिक रूप से विपन्न लोगों की एक बड़ी संख्या ट्रायल कोर्ट द्वारा मनमाने ढंग से तय किए गए जमानतदारों की व्यवस्था करने या उन्हें प्रदान करने में असमर्थ है। इस स्थिति से निपटने के लिए संवैधानिक न्यायालयों ने लगातार माना है कि मनमाने ढंग से जमानत की मांग करके जमानत के अधिकार को पराजित नहीं किया जा सकता है। ट्रायल कोर्ट की यह जिम्मेदारी है कि वह अभियुक्त की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर विचार करे और उसके अनुसार जमानतदारों को तय करे। कानून ने यांत्रिक तरीके से जमानतदारों का निर्धारण करने के खिलाफ चेतावनी दी है।

हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि जमानतें अरविंद सिंह बनाम यूपी राज्य से लेकर प्रधान सचिव गृह विभाग के मामले में पहले से जारी निदेशों के अनुरूप तय की जाएं। अरविंद सिंह मामले में हाईकोर्ट ने जमानत पर शर्तें लगाने की यांत्रिक प्रक्रिया पर अंकुश लगाने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए थे।

अदालत ने यह टिप्पणी आगरा के अरमान को जमानत देते हुए की जो 13 सितम्बर 2020 से जेल में था। उस पर थाना एत्मादपुर, आगरा में यूपी गैंगस्टर एक्ट लगा है। याची ने जमानत के लिए हाईकोर्ट की शरण ली थी क्योंकि उसके खिलाफ दर्ज कई मामलों में से एक में निचली अदालत ने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

हाईकोर्ट ने यह देखते हुए उसे जमानत दे दी कि आरोपित ने अपना आपराधिक इतिहास बताया है। उसके भागने का खतरा नहीं है। उसने जांच और मुकदमे की कार्यवाही में सहयोग किया है। कोर्ट ने यह भी कहा कि उसके खिलाफ दर्ज अन्य आपराधिक मामलों में निचली अदालत द्वारा जमानत दिए जाने के बावजूद, जमानत पेश करने में असमर्थता के कारण आरोपित को जमानत पर रिहा नहीं किया गया। इसने न्यायालय को यह निर्देश देने के लिए प्रेरित किया कि वे उचित विचार-विमर्श के बाद तथा जमानत आवेदक की सामाजिक आर्थिक स्थिति पर विचार करने के बाद जमानतदार तय करें।

कोर्ट ने आगरा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि आवेदक को जमानत पर रिहाई के लिए जमानत राशि जमा करने तथा अन्य औपचारिकताएं पूरी करने के लिए उचित कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाए।

हाईकोर्ट ने याद दिलाया कि अरविंद सिंह मामले में उसने पहले ही डीएलएसए को निर्देश दिया था कि वह उन कैदियों को कानूनी सहायता प्रदान करे, जो ट्रायल कोर्ट द्वारा निर्धारित जमानत राशि उपलब्ध कराने में विफल रहने के कारण जमानत आदेशों द्वारा दी गई स्वतंत्रता का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं।

डी.एल.एस.ए को ऐसे कैदियों को भारी जमानत मांगों को वापस लेने के लिए आवेदन दाखिल करने में मदद करने के लिए भी कहा गया है। अदालत ने कहा, ह्जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और विद्वान ट्रायल कोर्ट ने इस मामले के तथ्यों में उपरोक्त निदेशों का पालन नहीं किया है।ह्न न्यायालय ने कहा कि इस मामले में आवेदक को कानूनी सहायता न मिलने का तथ्य इस बात से स्पष्ट है कि वह 2024 तक जमानत के लिए हाईकोर्ट नहीं आ सका।

हाईकोर्ट ने आगरा के सम्बंधित जिला न्यायाधीश को निर्देश दिया कि वे न्यायालय द्वारा उठाए गए मुद्दों पर गौर करें तथा उच्च न्यायालय की विधिक सेवा समिति के सचिव को रिपोर्ट भेजें। आदेश की एक प्रति लखनऊ स्थित न्यायिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान को भी भेजी गई, जिसे पहले ही ऐसे मुद्दों पर निचली अदालतों के न्यायाधीशों को जागरूक करने के लिए कहा गया था।

रेलवे सुरक्षा बल ने प्रयागराज स्टेशन पर अंग्रेजी शराब बरामद की

प्रयागराज, 08 सितम्बर (हि.स.)। रेलवे सुरक्षा बल ने प्रयागराज स्टेशन पर एक बैग से अंग्रेजी शराब बरामद की है। इसके स्वामी गिरफ्त से बाहर रहे। पकड़ी गई शराब को आबकारी निरीक्षक राजमणि प्रसाद को अग्रिम कार्यवाही हेतु सुपुर्द कर दिया गया। जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने रविवार को बताया कि विधान सभा चुनाव हरियाणा, जम्मू एवं कश्मीर के मद्देनजर प्रयागराज स्टेशन पर चेकिंग एवं गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से अज्ञात व्यक्तियों द्वारा सवारी गाड़ियों में शराब ले जाने की सूचना मिली।

निरीक्षक शिव कुमार सिंह ने आबकारी निरीक्षक राजमणि प्रसाद को सूचित किया। आबकारी निरीक्षक के रेलवे स्टेशन आने पर उनके साथ उप निरीक्षक गौरव, हेड कांस्टेबल यादराम सिंह व कांस्टेबल श्याम सुंदर गौड ने संयुक्त रूप से चेकिंग की। तो प्लेटफार्म 4-5 पर एफओबी नं-1 के नीचे एक काले रंग का बैग लावारिस एवं संदिग्ध हालत में मिला। उक्त लावारिस बैग के स्वामी के आने का इंतजार किया गया। किंतु कोई भी व्यक्ति बैग लेने नहीं आया। लिहाजा उक्त बैग को चेक किया गया।

जिसमें 2 बोतल सिग्नेचर प्रीमियम, 2 बोतल बल्डंर्सप्राइड, 2 बोतल आफ्टर डार्क, 1 बोतल एंटीकेटी ब्लू, सभी अंग्रेजी विहस्की, 750 एमएल प्रत्येक तथा अमेरिकन प्राइड के 19 क्वार्टर अंग्रेजी शराब विहस्की 180 एमएल प्रत्येक कुल 26 नग कीमत लगभग 15,000 रुपये की अंग्रेजी शराब बरामद की गयी।

दो नाबालिग बेटियों की हत्या कर फांसी पर झूल गया पिता

प्रयागराज, 08 सितम्बर (हि.स.)। धूमनगंज थाना क्षेत्रान्तर्गत सुलेमसरायं के रम्मन पूरा में रविवार को एक पिता ने अपनी दो नाबालिग बेटियों की हत्या कर खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

सूचना पाकर मौके पर पुलिस के अधिकारी समेत अन्य जांच टीम पहुंची।

घटना के कारणों का अभी कुछ भी पता नहीं चल सका है।

डीसीपी दीपक भूकर ने बताया कि रम्मन का पूरा में किराए के मकान में रहने वाला लल्ला उर्फ मनीष पेंटिंग का काम करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था। रविवार दोपहर बाजार से पत्नी वापस घर पहुंची तो दरवाजा भीतर से बंद था।

कई बार पुकारने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला तो उसने खिड़की से किसी तरह भीतर झांक कर देखा। जहां दोनों बेटियां खून से लतपथ जमीन पर मृत पड़ीं और पति का शव फांसी पर लटका था।

यह देखकर उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। उसने पड़ोसियों को जानकारी देते हुए पुलिस को सूचित किया। सूचना पाकर पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंच गये। फील्ड यूनिट व डॉग स्क्वॉयड के साथ पुलिस ने मौका मुआयना किया।

कमरे से कोई भी सुइसाइड नोट नहीं मिला है। इस घटना को लेकर पत्नी भी कुछ बता नहीं पा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

27वीं अंतरजनपदीय शूटिंग स्पोर्ट्स एवं एलार्म प्रतियोगिता का एसपी ने किया शुभारम्भ

मीरजापुर, 8 सितंबर (हि.स.)। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने रविवार को 39वीं वाहिनी पीएसी में आयोजित 27वीं अंतरजनपदीय एलार्म एफिसिएन्सी रेस, राइफल, रिवाल्वर, पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता का फीता काटकर शुभारम्भ किया। प्रतियोगिता में वाराणसी जोन के कुल आठ जनपदों ने प्रतिभाग किया।

27वीं अंतरजनपदीय शूटिंग स्पोर्ट्स एवं एलार्म एफिसिएन्सी रेस प्रतियोगिता में मीरजापुर, सोनभद्र, भदोही, बलिया, मऊ, गाजीपुर, जौनपुर व आजमगढ़ आठ जनपद की टीमों ने प्रतिभाग किया।

पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक टीम कमाण्डर से परिचय प्राप्त किया और प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामना दी।

इसी क्रम में सभी प्रतिभागियों के मध्य खेल भावना को बनाए रखने की शपथ दिलाई। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर, अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन, क्षेत्राधिकारी नगर, क्षेत्राधिकारी सदर व प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

घर में घुसकर नाबालिग के साथ अधेड़ ने किया दुष्कर्म

-पीड़िता के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

झांसी, 08 सितम्बर (हि.स.)। मोंठ थाना क्षेत्र में रविवार को नाबालिग से रेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता के पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी। पीड़िता की मां के साथ भी इसी तरह की घटना हुई थी, जिसमें उसकी जान चली गई थी। इसका मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन है। वहीं, बेटी के साथ हुई इस घिनौनी हरकत के बाद पिता टूट गया। उसने पुलिस से आरोपित पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

शनिवार दोपहर गांव निवासी शख्स मजदूरी करने गया था। आरोप है कि घर में एक वृद्ध व नाबालिग बेटी थी। वह देखने-सुनने में असमर्थ हैं, तभी एक अधेड़ घर में घुस गया। उसने बेटी के साथ रेप किया। दोपहर में मजदूर खाना खाने के लिए घर पहुंचा तो उसे इसकी जानकारी हुई।

उस दौरान आरोपित घर में ही मौजूद था। पीड़िता के पिता को धक्का देकर आरोपित फरार हो गया। पीड़िता के पिता ने थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। कोतवाल ने तहरीर के आधार पर आरोपित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया। वहीं, घटना के बाद से किशोरी डरी-सहमी हुई है।

मोंठ कोतवाल दिनेश कुरील ने कहा कि नाबालिग लड़की से दुष्कर्म की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

आरोपित की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा। इस संबंध में एसपी सिटी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि 16 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है।

तहरीर के आधार पर उचित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही आरोपित को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भगवान श्रीकृष्ण हमारी संस्कृति के विलक्षण राष्ट्रनायक : आदित्य यादव

मुरादाबाद, 08 सितम्बर (हि.स.)। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के तत्वावधान में रविवार को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव एवं मेधा सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बदायूं लोकसभा से समाजवादी पार्टी के सांसद आदित्य यादव ने दीप प्रज्ज्वलन करके किया। समारोह में एसएनडी पब्लिक स्कूल के बच्चों ने स्वागत गीत और रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि सपा सांसद आदित्य यादव ने विभिन्न बोर्ड, विश्वविद्यालय की प्रथम श्रेणी और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल करने वाले यादव समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रतीक चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। विभिन्न क्षेत्रों और विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले और सेवानिवृत्त होने वाले समाज की विभूतियों को अंगवस्त्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सांसद आदित्य यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण हमारी संस्कृति के एक अद्भुत एवं विलक्षण राष्ट्रनायक हैं। समाज एवं राष्ट्र व्यवस्था उनके लिये कर्त्तव्य थी, इसलिये कर्त्तव्य से कभी पलायन नहीं किया। धर्म उनकी आत्मनिष्ठा बना, इसलिये उसे कभी नकारा नहीं। वे प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों की संयोजना में सचेतन बने रहे। श्रीकृष्ण के आदर्शों से ही देश एवं दुनिया में शांति स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्र के उत्थान और समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षित होना पहली आवश्यकता है। इसलिए हमें अपने बच्चों को उच्च शिक्षित करने विशेषकर वैज्ञानिक और तकनीकी ज्ञान देने पर जोर देना चाहिए।

जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन राजेश सिंह यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण को निष्काम कर्मयोगी एवं दार्शनिक भी माना जाता है। भगवद्गीता में वर्णित उनका उपदेश जीवन जीने की कला का मार्गदर्शन करता है। उनका मानना था कि क्रियाशीलता जीवन है और निष्क्रियता साक्षात मृत्यु है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अवधेश यादव तथा संचालन जिलाध्यक्ष डॉ. सोमवीर सिंह यादव ने किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से पद्मश्री बाबूराम यादव, पूर्व विधायक विजय यादव, करन सिंह यादव, ब्लॉक प्रमुख डॉ. नवदीप यादव, विक्रम सिंह यादव, गजेन्द्र सिंह यादव, महानगर अध्यक्ष दुर्गेश यादव, मीडिया प्रभारी/प्रवक्ता तुंगीश यादव, मुकेश यादव, तुंगीश यादव, महिला सभा की जिलाध्यक्ष मीना यादव, जयवीर सिंह यादव, शिव प्रताप सिंह यादव, हरज्ञान सिंह यादव, ववीश यादव, वीरेन्द्र यादव, डॉ. नवनीत यादव, डॉ. ब्रजपाल सिंह यादव, मनोज यादव, डॉ. चंद्रभान यादव, रामवीर यादव, राकेश यादव, अरविंद यादव, पवन यादव, कुशल यादव, रंजीत यादव, संजीव यादव आदि उपस्थित रहे।

भाजपा नेता के गनर ने खुद को मारी गोली मौत , पुलिस जांच में जुटी

जौनपुर, 08 सितंबर (हि.स.)। बरसठी थाना क्षेत्र की बबुरी गांव में रविवार अल सुबह उस समय हड़कम मच गया जब भाजपा नेता मनोज सिंह के गनर रत्नेश प्रजापति ने अपने आप को खुद की कार्बाइन से गोली मारकर आत्महत्या कर लिया। गोली की आवाज सुनते ही उनकी सुरक्षा में तैनात दूसरा सिपाही रजत पांडे व उनके कुक अवनीश शुक्ला ने घायल अवस्था में जिला अस्पताल ले आए जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अजय पाल शर्मा व अन्य अधिकारियों ने घटना स्थल का निरीक्षण कर जानकारी लिया। घटना के वक्त भाजपा नेता फार्म हाउस पर मौजूद नहीं थे।

बताया जा रहा कि मनोज सिंह के फॉर्महाउस पर दो गनर रत्नेश प्रजापति व रजत पांडे एक साथ रात में खाना खाकर सोए थे। रविवार सुबह रत्नेश प्रजापति उठा और नित्यकर्म के बाद आकर बरामदे में बैठा। कुछ देर बैठने के बाद वहां से उठा और फॉर्महाउस के पीछे जाकर अपनी बंदूक से खुद को गोली मार लिया।

मनोज सिंह को भाजपा ने 2020 में मल्हनी में उपचुनाव में अपना प्रत्याशी बनाकर उतारा था। जहां पर सपा के लकी यादव ने उनको हराकर विधायक बने थे। उससे पहले उनकी पत्नी बरसठी की ब्लॉक प्रमुख थीं। मनोज सिंह ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत इलाहाबाद विश्वविद्यालय से छात्र संघ का चुनाव लड़कर किया था।

घटना के संबंध में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बरसठी थाना अंतर्गत भाजपा नेता मनोज सिंह के यहां दो आरक्षी रत्नेश प्रजापति व आरक्षी रजत पांडे उनकी सुरक्षा में लगे हुए थे। आज सुबह 6:00 बजे मनोज सिंह के कुक अवनीश शुक्ला व आरक्षी रजत पांडे द्वारा सूचना दी गई कि उनका दूसरा साथी रत्नेश प्रजापति अपने असलहे की सफाई कर रहा था कि दौरान गोली चल गई। उसके सर में गोली लगी है। घायल हो गया है। तत्काल मौके पर मौजूद लोगों ने उपचार के लिए घायल को जिला अस्पताल ले आए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय पाल शर्मा व आला अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया। फील्ड यूनिट की टीम मौके पर छानबीन कर रही है। आवश्यक विधि कार्रवाई की जा रही है। घर वालों को सूचना दे दी गई है। उनके आने पर पंचायतनामा पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी।

कहार जाति को एससी-एसटी में शामिल करने की मांग, हाईकोर्ट में याचिका दाखिल

प्रयागराज, 08 सितम्बर (हि.स.)। देश में जातीय जनगणना को लेकर छिड़े सियासी कोहराम के बीच यूपी में डोली उठाने, पानी भरने और सिंघाड़े की खेती करने वाले कहार समुदाय के लोग ओबीसी सूची से बाहर होना चाहते हैं। इस मांग को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। हाईकोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र और राज्य सरकार से जवाब मांगा है।

यह आदेश न्यायमूर्ति एमसी त्रिपाठी एवं न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने दिया है। गोरखपुर के धूरिया जनजाति सेवा संस्थान के अध्यक्ष राम अवध गोंड की ओर से दाखिल याचिका में कहा गया है कि कहार कोई जाति नहीं, बल्कि पेशा है। तकरीबन दर्जन भर जातियों और जनजातियों के लोग कहार का काम परंपरागत तौर पर करते आ रहे हैं। ऐसे में उन्हें ओबीसी सूची से हटाकर एससी-एसटी सूची में जगह दी जाए। याचिका में कहा गया है कि कहार समुदाय को यूपी में केंद्र और राज्य सरकार दोनों की अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में रखा गया है। उन्हें यह दर्जा अंग्रेजों के राज में 1881 से ही दिया गया है।

याची ने कहा कि कहार कोई जाति नहीं है बल्कि पेशेगत काम करने वालों का समूह है। कहार समुदाय के लोग डोली उठाने, पानी भरने, सिंघाड़े की खेती और मछली पालन का काम करते हैं। कई सरकारी विभागों में अब भी कहार पद पर भर्ती होती है। याचिका के मुताबिक कहार के पेशे से जुड़े परम्परागत काम करने वाले लोगों में ज्यादातर 11 जनजातीय यानी ट्राइब्स के हैं। इन जनजातियों में मुख्य रूप से भोई, धीमर, धुरिया, गुरिया, गोंड, कलेनी, कमलेथर, हुर्का, मछेरा, महारा, पनभरा और सिंघाड़िया शामिल हैं। इन जातियों को कहीं एससी कैटेगरी में रखा गया है तो कहीं एसटी में।

उत्तर प्रदेश में केंद्र और राज्य सरकार दोनों की ही ओबीसी सूची में कहार समुदाय को चौथे नंबर पर रखा गया है।

इस कारण इन्हें ओबीसी वर्ग का ही जाति प्रमाण पत्र दिया जाता है। जबकि इन्हें एससी या एसटी का जाति प्रमाण पत्र मिलना चाहिए। इससे डोली उठाने और पानी भरने जैसे परंपरागत काम करने वाले कहार समुदाय के लोगों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्हें जो सुविधाएं और अधिकार मिलना चाहिए, वह नहीं मिल पा रही हैं।

जनरथ बस डंफर से टकराई, परिचालक सहित दो को मौत, छह यात्री घायल

फतेहपुर, 08 सितंबर (हि.स.)। जिले में रविवार भोर पहर बनारस से कानपुर जा रही जनरथ बस पीछे से डंफर में जोरदार टक्कर मार दिया। परिचालक सहित दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि छह अन्य यात्री घायल हो गये। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। दोनों शवों को कब्जे में लेकर पुलिस अग्रिम कार्रवाई कर रही है।

जनपद के नेशनल हाइवे स्थित औग थाना क्षेत्र गोधरौली समीप महाराजा होटल के सामने बनारस से झकरकटी बस स्टेशन कानपुर जाते समय जनरथ बस पीछे से डम्फर में टकरा गयी। इससे परिचालक सर्वेश यादव(40) पुत्र रामानंद यादव निवासी गोरखपुर व यात्री मोहित मिश्रा (25) पुत्र रामनरेश मिश्रा निवासी जुगराजपुर थाना सचेण्डी कानपुर नगर की मौके में मौत हो गई। वहीं आधा दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए बस में नौ यात्री सवार थे।

सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि घायल यात्रियों को तत्काल उपचार के लिए पीएचसी गोपालगंज में भर्ती कराया है। वहीं मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

जालौन में नाबालिक के साथ रेप का आरोप, पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लिया

जालौन, 8 सितंबर (हि.स.)। जालौन के रेंढर थाना क्षेत्र में बीती रात एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। एक नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़ित किशोरी के परिजनों ने दो लड़कों पर नाबालिग से रेप करने का आरोप लगाया है, जबकि दो अन्य पर रेप में साथ देने का आरोप लगाया गया है।

पुलिस ने पीड़ित परिजनों की शिकायत पर आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और एक आरोपित युवक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। पुलिस घटना की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।

यह घटना जालौन के रेंढर थाना क्षेत्र की है। जहां पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज किया है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी मामले की गंभीरता से जांच कर रहे हैं और आरोपितों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का प्रयास कर रहे हैं।

पुलिस से आरोपितों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की जा रही है।

वहीं क्षेत्राधिकारी राम सिंह ने बताया कि एक शिकायती पत्र प्राप्त हुआ था। पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। पूछताछ के लिए एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया। जॉच प्रचलित है। जल्द कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

मुरादाबाद में काली घटाओं के साथ मूसलाधार बारिश, उमस और गर्मी से राहत

मुरादाबाद, 08 सितम्बर (हि.स.)। मुरादाबाद में रविवार दोपहर में काली घटाओं के साथ मूसलाधार बारिश हुई। भादों के महीने में पड़ रही उमस और गर्मी से काफी हद तक राहत मिली। रविवार को मुरादाबाद का अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस रहा। 2 घंटे की बारिश से महानगर की कॉलोनी और मोहल्ले में पानी भर गया, जिससे लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतें हो रही हैं।

रविवार को मुरादाबाद में सुबह से तेज धूप छाई रही और उमस भरी गर्मी पड़ी। दोपहर 2 बजे अचानक सूरज छिप गया। आसमान में काली घटाएं छा गईं। इससे भरी दोपहरी में अंधेरा छा गया। देखते ही देखते बिजली की तेज गड़बड़हट के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई जो शाम 4 बजे तक जारी रही। दो घंटे की बारिश से मौसम सुहावना हो गया और उमस और गर्मी खत्म हो गई। अचानक मौसम सुहावना होने से लोगों को काफी राहत मिली।

राजकीय इंटर कॉलेज में मौसम प्रयोगशाला प्रभारी निसार अहमद ने बताया कि अभी दो दिन और मौसम इसी तरह से बना रहेगा। सोमवार व मंगलवार को काली घटाओं के साथ तेज बारिश होने की संभावना रहेगी। उन्होंने बताया कि इस बारिश से मुरादाबाद का अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस पर रुक गया। वहीं आज का न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

महाराज जी! आपके साथ फोटो खूब वायरल होगी

गोरखपुर, 8 सितंबर (हि.स.)। रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में एक ऐसी फरियाद भी आई कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उसे सुनकर हंस पड़े। उन्होंने तत्काल इस फरियाद का निस्तारण भी कर दिया। यह फरियाद थी फतेहपुर से आई मेनश्री नाम की बेहद छोटे कद की महिला की। मांग और गुहार की महाराज जी (सीएम योगी) के साथ फोटो खिंचवानी है ताकि सोशल मीडिया पर खूब वायरल होकर वह व्यापक पहचान बना सके। हैरत से हंसते हुए मुख्यमंत्री ने यह मांग फौरन पूरी कर दी।

गोरखनाथ मंदिर में रविवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वहां मौजूद लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इस दौरान पूरी गंभीर गंभीरता और संवेदनशीलता से एक-एक व्यक्ति की समस्या सुनते हुए, इसके निस्तारण के लिए मौके पर ही अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश देते रहे। जनता दर्शन में फतेहपुर से आई मेनश्री नाम की बहुत छोटे कद की महिला की समस्या सुनते ही सीएम योगी मुस्कराने लगे। कद के लिहाज से शारीरिक दिव्यांगता की श्रेणी में आने वाली इस महिला की इच्छा सोशल मीडिया पर बड़ी पहचान बनाने की है। इसके लिए उसने मुख्यमंत्री से कहा, महाराज जी! मुझे आपके साथ फोटो खिंचवानी है। आपके साथ फोटो खूब वायरल हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने फोटो खिंचवाकर उसकी डिमांड तुरंत पूरी के दी। यही नहीं, उन्होंने मेनश्री के साथ सेल्फी के अनुरोध को भी स्वीकार किया।

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर के गोला क्षेत्र से आई एक अन्य अत्यंत छोटे कद की महिला की डिमांड को सम्मानजनक तरीके से पूरा करने के लिए जिलाधिकारी को निर्देशित किया। यह महिला मुख्यमंत्री से आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंची थी। सीएम योगी ने उसके प्रार्थना पत्र को लेते हुए डीएम को निर्देशित किया महिला की भरपूर मदद की जाए। मुख्यमंत्री की इस पहल पर उक्त महिला ने बारम्बार आभार जताया।

आज के भारत में विश्व को अपने अनुरूप चलाने की क्षमता : मंजीव पुरी

गोरखपुर, 8 सितंबर (हि.स.)। नेपाल, बेल्जियम और लक्जमबर्ग में भारत के पूर्व राजदूत मंजीव पुरी ने कहा कि आज के भारत में विश्व को अपने अनुरूप चलाने की क्षमता है। आज का भारत किसी भी देश की घुड़कियों या धमकियों की परवाह नहीं करता। भारत की विदेश नीति इतनी सशक्त हो चुकी है कि आज के दौर में कोई भी देश भारत पर दबाव बनाकर कुछ नहीं करा सकता।

मंजीव पुरी रविवार को महाराणा प्रताप पीजी (एमपीपीजी) कॉलेज जंगल धूसड़ में आयोजित ह्यभारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तकह्न विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह (समारोप) को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। संगोष्ठी के प्रतिभागियों के साथ दोतरफा संवाद करने के अंदाज में श्री पुरी ने कहा कि विदेश नीति के मुद्दे पर देश में मजबूती और बदलाव का यह दौर पिछले दस वर्षों में सशक्त नेतृत्व के चलते आया है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के मजबूत होने के लिए आर्थिक मजबूती बहुत जरूरी है। वैश्विक स्तर पर धाक जमाने में मजबूत हो रही भारतीय अर्थव्यवस्था का बड़ा योगदान है। जिसकी जितनी जीडीपी, वह उतना अधिक शक्तिशाली। इस फॉमूर्ले पर भारत 3.7 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है।

उन्होंने कहा कि 2023 में दुनिया के 20 बड़े और प्रभावशाली देशों के समूह जी-20 का नेतृत्व करके यह दिखा दिया है कि उसका सामर्थ्य क्या है। श्री पुरी ने कहा कि तेजी से बदलता और वैश्विक परिदृश्य पर आगे बढ़ता भारत पूरी दुनिया को नेतृत्व देने को तैयार है और इसमें विगत कुछ सालों से बेहद असरदार साबित हुई भारत की विदेश नीति और कूटनीति का महत्वपूर्ण योगदान है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) आरपी शाही ने कहा कि विगत कुछ सालों में भारत ने अपनी विदेश नीति को समयानुकूल और त्वरित प्रतिक्रियावादी बनाया है। यही वजह है कि आज जब दुनिया के किन्हीं भी दो देशों के बीच टकराव की स्थिति आती है तो पूरा विश्व चाहता है कि इस टकराव को रोकने की पहल भारत करे। श्री शाही ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ जब सर्जिकल स्ट्राइक की गई तब भारत की कूटनीति इतनी शानदार थी कि किसी भी ताकतवर देश ने भारत के खिलाफ प्रतिक्रिया करने का साहस नहीं किया। उन्होंने कहा कि 2019 के बाद भारत की विदेश नीति में बहुत प्रभावी परिवर्तन देखने को मिला है। आज देश का नेतृत्व इंडिया फर्स्ट की भावना से सभी देशों से संवाद की भूमिका में रहता है। किसी भी देश में यदि भारतीयों पर संकट आता है तो उन्हें सुरक्षित निकालने की त्वरित पहल की जाती है। आज भारतीय विदेश नीति एकदम स्पष्ट है कि देश के हित में जो भी सर्वोत्तम होगा, हम उसे करेंगे। शाही ने कहा कि आज ग्लोबल साउथ की आवाज बन चुका है।

समापन समारोह के विशिष्ट अतिथि सेंटर फॉर कैनेडियन, यूएस एंड लैटिन अमेरिकन स्टडीज (स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज) जेएनयू नई दिल्ली के प्रोफेसर अरविंद कुमार ने भारत की विदेश नीति में आए क्रमिक परिवर्तन की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत को अपने पड़ोस में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। चुनौतियों के अनुरूप ही भारत ने अपनी विदेश नीति और कूटनीति (डिप्लोमेसी) में परिवर्तन किया है। चीन की विस्तारवादी नीतियों को करारा जवाब देते हुए भारत ने उसे पिछले कुछ सालों में टेबल टाक (संवाद) के लिए विवश किया है। प्रो. अरविंद कुमार ने कहा कि वास्तव में भारत विश्व को परिवार मानता है और विश्व शांति की बात करता है। इसकी झलक उसकी विदेश नीति में भी देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि हाल के कुछ सालों में भारत ने अपनी पोलिटिकल डिप्लोमेसी को इकोनॉमिकल डिप्लोमेसी की तरफ शिफ्ट किया है। वैश्विक महामारी कोविड के दौर में भारत की वैक्सीन डिप्लोमेसी ने तो विश्व समुदाय के लिए संकटमोचक की भूमिका निभाई। तमाम उद्धरणों का हवाला देकर उन्होंने बताया कि आज भारत अमेरिका और रूस जैसे ताकतवर देशों से ह्यबारगेनिंगह्न करने की स्थिति में है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में अतिथियों का स्वागत करते हुए महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। दो दिन तक चली संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों की रिपोर्ट महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष हरिकेश यादव ने प्रस्तुत की जबकि संचालन सहायक आचार्य डॉ. सलिल कुमार पांडेय ने किया।

इस अवसर प्रमथनाथ मिश्रा, प्रो. तेज प्रताप सिंह, डॉ. श्रीभगवान सिंह, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. सत्यपाल सिंह, डॉ. आमोद राय, डॉ. उग्रसेन सिंह, डॉ. घनश्याम शर्मा, डॉ. अभय प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

पंडित कमलापति त्रिपाठी का सम्पूर्ण जीवन भारतीय संस्कृति एवं संस्कार को परिभाषित करता है:प्रो.ए. डी. एन. वाजपेयी

-पंडित जी की 119वीं जयंती मनाई गई

वाराणसी, 08 सितम्बर (हि.स.)। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) के कुलपति प्रो. ए.डी.एन. वाजपेयी ने कहा कि पंडित कमलापति त्रिपाठी की राजनीति उनके जीवन का सम्पूर्ण व्यक्तित्व का परिचय नहीं हो सकता। राजनीति प्रासंगिक है यदि वे राजनेता न होते, वे संविधान सभा के सदस्य न होते मुख्यमंत्री भी न होते तो भी उनका सम्मान इसी तरह होता क्योंकि उनका व्यक्तित्व ही ऐसा था। उनका जीवन भारतीय संस्कृति एवं संस्कार को परिभाषित करता है।

प्रो. वाजपेयी रविवार को संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के योग साधना केन्द्र में आयोजित पंडित कमलापति त्रिपाठी के 119 वीं जयंती महोत्सव को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय के स्थापना में पंडित कमलापति त्रिपाठी की भूमिका का उल्लेख कर कहा कि पंडित जी इस संस्था के संस्थापकों में से एक थे। यहां की संस्कृति एवं संस्कार से हम वैश्विक पटल पर स्थापित हैं,ऐसे में इस संस्था का कार्य और महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि इस परिसर में आने पर स्वंय ऊर्जा और गौरव की अनुभूति करते हैं। यहां की भूमि में ऋषि तुल्य आचार्यों के तप और ज्ञान की सुगंध से एक देव स्थल सा अनुभव होता है। संस्कृत भाषा वैज्ञानिक भाषा है दुनिया में प्राचीनतम ग्रंथ संस्कृत में लिखे गए हैं।

महोत्सव की अध्यक्षता करते हुए संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने कहा कि बहुआयामी व्यक्तित्व और कृतित्व के धनी पं. कमलापति त्रिपाठी से जुड़ी स्मृतियों का सिलसिला अनन्त है। सन 1905 में इसी बनारस की पवित्र धरती पर ऋषि पंचमी के दिन जन्मे पंडित जी की जयन्ती संवत और ईसवी सन दोनों की तिथियों पर मनाने की प्रशस्त परम्परा रही है। जो व्यक्ति ऋषि पंचमी के दिन पैदा होता है वह ऋषि ही होता है। पं. कमलापति त्रिपाठी काशी के नहीं देश के भी गौरव थे। संविधान सभा में उन्होंने अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हुए अपनी मां यानी हिंदी का साथ दिया। हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्थापित कराने के साथ ही उन्होंने भारतीय गणतंत्र के नामकरण जैसे मामलों में उल्लेखनीय संसदीय भूमिका निभाई थी। भारतीय गणतंत्र इंडिया दैट इज भारत उन्हीं की देन है। पंडित जी की जयंती पर परिसर में पौधरोपण भी किया गया। इसके पहले पंडित जी की प्रतिमा पर चंदन का टीका लगाकर माल्यार्पण किया गया। महोत्सव में तीन ग्रंथों के लोकार्पण के बाद उनका परिचय भी दिया गया। महोत्सव में प्रो. शैलेष कुमार मिश्र, प्रो. राघवेंद्र दुबे का स्वागत और अभिनंदन किया गया। महोत्सव में डॉ विजय शंकर पाण्डेय ने भी विचार रखा। कार्यक्रम में प्रो हरिशंकर पांडेय, निदेशक प्रकाशन संस्थान डॉ पद्माकर मिश्र, कुलसचिव राकेश कुमार, प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी, प्रो. रामपूजन, प्रो, राजनाथ, प्रो. विधू द्विवेदी, प्रो. हेतराम कछवाह, प्रो. ब्रजभूषण ओझा आदि के साथ छात्रों की भी उपस्थिति रही।

बहला फुसला कर नामजद ले गये बेटी को

हाथरस। गांव बसईकाजी में एक ग्रामीण की पुत्री को नामजद बहला फुसलाकर ले गये। जिसका आरोप ग्रामीण ने अपनी पत्नी पर लगाते हुए पुलिस चैकी श्री हनुमान जी पर तहरीर दी है।

रविवार को पुलिस चौकी श्री हनुमान जी पर अपनी तहरीर दते हुए गांव बसईं काजी निवासी बनीसिंह पुत्र गोपाल सिंह ने कहा है कि दिनांक चार सितंबर को उसकी चौदह वर्षीय पुत्री को उसकी मां की शह पर निकट गांव के दो नामजद बहला फुसलाकर अपने साथ ले गये हैं। पीडित ने घटना की तहरीर पुलिस को दी है।

39 वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के समापन पर नेत्रदान महादान के नारे के साथ निकली जागरूकता रैली

मुरादाबाद, 08 सितम्बर (हि.स.)। सीएल गुप्ता नेत्र संस्थान एवं मुरादाबाद नागरिक समाज की ओर से 39वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े का समापन रविवार को धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर संस्था के गुरविंदर सिंह, संजीव वर्मा एवं रवि टंडन ने झंडा दिखाकर शुरू किया। रैली बुध बाजार, टाउनहॉल, गंज बाजार, गुरहट्टी चौराहा होते हुए कचहरी स्थित आईएमए भवन पर संपन्न हुई। इसके बाद आईएमए भवन में शिखा गुप्ता ने बताया कि उनका संस्थान 33 प्रतिशत नेत्र चिकित्सा की सुविधा गरीब और असहाय लोगों के लिए निःशुल्क प्रदान करता है। इंस्टीट्यूट की वाइस चेयरपर्सन डॉ. आशी खुराना ने बताया कि

द्वारा नेत्रदान महादान के नारे लगाते हुए पूरे जोश के साथ जागरूकता रैली निकाली गई। राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के दौरान विभिन्न स्कूल कॉलेजों में हुई स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं को आईएमए हाल में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

जागरूकता रैली को आयोजित कार्यक्रम में स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में आईएमए मुरादाबाद के प्रेसिडेंट डॉ. रवि गंगल एवं विशिष्ट अतिथि आईएमए मुरादाबाद की सेक्रेटरी डॉ. श्रुति खन्ना उपस्थिति रहीं। सीएल गुप्ता आई इंस्टीट्यूट की ट्रस्टी संस्थान पूरे यूपी में नेत्रदान के लिए प्रथम नंबर पर अंकित हुआ है। आई बैंक के डायरेक्टर डॉ. अजीत ने सभी को नेत्रदान से जुड़ी विशेष जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में 41 मुस्लिम समुदाय के लोगों को नेत्रदान के संकल्प पत्र दिया गया। संचालन सीएल गुप्ता आई इंस्टीट्यूट की जनसंपर्क अधिकारी गरिमा सिंह ने किया।

मप्र में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का ज्ञान देने 3390 आईसीटी लैब स्थापित

-लैब की मॉनिटरिंग के लिये विमर्श पोर्टल में विकसित किया गया इंटीग्रेटेड मॉनिटरिंग सिस्टम

भोपाल, 8 सितम्बर (हि.स.)। प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के संदर्भ में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में डिजिटल लिटरेसी को विकसित करने के उद्देश्य से आईसीटी (इन्फार्मेशन एण्ड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी) लैब स्थापित की जा रही हैं। प्रदेश में अब तक 3390 आईसीटी लैब स्थापित की जा चुकी हैं। केन्द्र सरकार की इस योजना में स्कूल में कम्प्यूटर लैब स्थापित की जा रही हैं। स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से कम्प्यूटर लैब की स्थापना का कार्य विकेन्द्रीकृत तरीके से जिलों द्वारा किया जा रहा है।

जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मोदी ने रविवार को बताया कि आईसीटी लैब की नियमित मॉनिटरिंग एवं मासिक समीक्षा गतिविधियों के लिये विमर्श पोर्टल में एक इंटीग्रेटेड मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित किया गया है। डिटिजल लिटरेसी से संबंधित कौशल आज के तकनीकी युग की आवश्यकता बन चुकी है। जिसमें भविष्य में विद्यार्थियों को अच्छे करियर ऑप्शन हो सकें। इसको ध्यान में रखते हुए आईसीटी लैब के अध्यापन से संबंधित पाठयवस्तु का निर्धारण किया गया है। कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों के लिये आईसीटी से संबंधित विषयवस्तु तैयार की गई है। आईसीटी लैब के माध्यम से विद्यार्थियों को कम्प्यूटर, इंटरनेट और अन्य डिजिटल साधनों का उपयोग करने का प्रशिक्षण भी मिल रहा है, जिससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की आईसीटी के प्रति रूचि बढ़ी है।

सरकारी स्कूलों में डिजिटल साक्षरता पर जोर

प्रदेश में सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार के लिये स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इस कार्य में अनेक स्वयंसेवी संगठन शिक्षा से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में राज्य सरकार की मदद कर रहे हैं। इसी तरह का एक संगठन श्रीराम फाइबर फाउण्डेशन (एसआरएफ) कार्य कर रहा है।

700 युवाओं का किया गया प्लेसमेंट

भिण्ड एवं धार जिले में बेसिक इलेक्ट्रीशियन ट्रेनिंग सेंटर चलाये जा रहे हैं। इन सेंटर में 18 वर्ष से अधिक के युवाओं को 4 माह का इलेक्ट्रिक से संबंधित कोर्स कराया जा रहा है। कोर्स पूरा होने पर इलेक्ट्रिक किट भी प्रदान की जा रही है। इन सेंटर्स के माध्यम से अभी तक 1200 से अधिक युवाओं को इलेक्ट्रिक ट्रेनिंग दी गई है। फाउण्डेशन द्वारा 700 से अधिक युवाओं का रोजगार के मकसद से प्लेसमेंट भी कराया गया है।

डिजिटल साक्षरता

ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यार्थियों को डिजिटल साक्षर बनाने की कोशिश की जा रही। फाउण्डेशन ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल बस भेजकर विद्यार्थियों को कम्प्यूटर संबंधी जानकारी दे रहा है। डिजिटल बस ह्लआईसीटी लैब ऑन द व्हीलह्लह्ल नाम से चलायी जा रही है। बस में 20 कम्प्यूटर और 2 एलसीडी स्क्रीन प्रिंटर लगाये गये हैं। छात्रों में नेतृत्व क्षमता बढ़ाने के लिये चयनित स्कूल परिसर में स्वच्छ विद्यालय कमेटी का गठन किया गया है। इसमें 20 छात्र शामिल किये गये

हैं। सभी को अलग-अलग दायित्व सौंपे गये हैं। शिक्षकों में टीचिंग स्किल बढ़ाने के लिये चयनित शिक्षकों को दूसरे राज्यों में एक्सप्लोजर विजिट पर भी भेजा गया है।

अन्य कार्य

भिण्ड जिले के 10, धार जिले के 15 और भोपाल जिले के 10 स्कूलों में पिछले 3 वर्षों से विकास कार्य किये जा रहे हैं। फाउण्डेशन द्वारा स्कूल भवन का मरम्मतीकरण, रंग-रोगन और बाउण्ड्री-वॉल का निर्माण किया गया है। आकदमिक रूपांतरण के अंतर्गत विज्ञान प्रयोगशाला और पुस्तकालय के अपग्रेडेशन पर भी काम किया जा रहा है। चयनित स्कूलों में विद्यार्थियों को पीने का पानी साफ मिले, इसके लिये ड्रिंकिंग वॉटर स्टेशन का निर्माण और स्कूलों के शौचालयों की मरम्मत कार्य को प्राथमिकता दी गई है। चयनित स्कूलों में छात्रों के बैठने के लिये बैंच-डेस्क और ग्रीन बोर्ड भी प्रदान किये गये हैं।

पुलिस ने दस वारंटी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

हाथरस। पुलिस अधीक्षक निपुण अग्रवाल के आदेशानुसार वारंटियो ठइह, रफ केसों मे वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं समस्त क्षेत्राधिकारी के निकट पर्यवेक्षण में हाथरस पुलिस द्वारा दस वारंटी अभियुक्तों थाना मुरसान द्वारा एक थाना हाथरस कोतवाली नगर द्वारा एक, थाना सासनी द्वारा तीन, थाना हाथरस गेट द्वारा तीन, थाना सिकन्दाराऊ द्वारा एक, थाना मुरसान द्वारा एक, थाना हसायन द्वारा एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है । पुलिस द्वारा जयप्रकाश पुत्र जुगेन्द्र सिंह निवासी नगला अनी थाना मुरसान, उमेश वर्मा पुत्र सतीश कुमार वर्मा निवासी सर्कुलर रोड होली वाली गली थाना कोतवाली नगर। सोनू पुत्र मुन्ना खाँ निवासी मौहल्ला विष्णु पुरी थाना सासनी, सूसा पुत्र नौरंगीलाल निवासी ग्राम लोहर्रा थाना सासनी, विनोद पुत्र भीमराज निवासी सुमरतगढी थाना सासनी, पियूष चौहान पुत्र वीर सिंह निवासी माधव बिहार कालोनी थाना हाथरस गेट, रवि पुत्र तुलसी प्रसाद निवासी रग्घा पाठक बगीची थाना हाथरस गेट , देवकी नंदन पुत्र ज्वाला प्रसाद निवासी नयवांस थाना हाथरस गेट, चन्द्रभान पुत्र रामपाल निवासी नावली थाना सि0राऊ, श्रीपाल पुत्र महावीर जाटव निवासी मौ0 जाटवान कस्वा व थाना हसायन जिला हाथरस को गिरफ्तार किया है , गिरफ्तार अभियुक्तगणों के सम्बन्ध में आवश्यक विधिपूर्ण कार्यवाही की जा रही है ।

दिनदहाड़े पेट्रोल पंप से ट्रक चोरी कर ले गए चोर

जालौन, 8 सितंबर (हि.स.)। जालौन कोतवाली क्षेत्र में एक बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। रविवार को चोरों ने एक पेट्रोल पंप पर खड़े आइसर ट्रक को चोरी कर लिया है। ट्रक मालिक ने रात को ट्रक पेट्रोल पंप पर खड़ा कर अपने घर चला गया था लेकिन जब वह वापस आया तो ट्रक गायब था। ट्रक चोरी की सूचना पर पुलिस के साथ सीओ पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने पेट्रोल पंप और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से जांच पड़ताल शुरू की है, ताकि चोरों का पता लगाया जा सके।

जालौन क्षेत्राधिकारी शैलेंद्र बाजपेई ने बताया कि ट्रक मालिक नाजिर खान ने सुबह के वक्त ट्रक पेट्रोल पंप पर खड़ा कर दिया था। जब वह वापस आया तो ट्रक नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से चोरों की पहचान करने की कोशिश कर ही है। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है। जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इन्सपायर अवार्ड मानक योजना के नामांकन के लिए ब्लॉकवार कैम्प का होगा आयोजन:-डीआईओएस

फिरोजाबाद:- जिला विद्यालय निरीक्षक फिरोजाबाद धीरेन्द्र कुमार के निर्देशन, जिला सह नोडल अधिकारी अश्वनी कुमार जैन एवं ब्लॉकवार नोडल अधिकारियों के संयोजन में इन्सपायर अवार्ड मानक योजना के नामांकन को बढ़ाने हेतु 08 ब्लॉक क्रमशः फिरोजाबाद में एम जी बालिका इंटर कॉलेज फिरोजाबाद, शिकोहाबाद में पाली इंटर कॉलेज शिकोहाबाद, नारखी में आर आर एम इंटर कॉलेज बछ गॉव, खैरगढ़ में एस जी एम इंटर कॉलेज खैरगढ़, टूण्डला में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज टूण्डला, मदनपुर एवं अरांव में श्री एम डी जैन इंटर कॉलेज सिरसागंज, एका में एस पी जी इंटर कॉलेज एका और जसराना में एल आर इंटर कॉलेज जसराना में दिनाँक 10 और 13 सितम्बर 2024 को इन्सपायर कैम्प आयोजित किए जाएंगे। डीआईओएस धीरेन्द्र कुमार ने चयनित ब्लॉकवार विद्यालय के प्रधानाचार्यो, नोडल अधिकारियों, सहयोगी विज्ञान अध्यापकों, कम्प्यूटर ऑपरेटरों को निर्देशित किया है कि वे चयनित विद्यालयो में दिनाँक 10-09-2024 एवं 13-09-2024 को आयोजित कैम्प में इन्सपायर अवार्ड मानक योजना में नामांकन में वृद्धि कराएं।

अश्वनी कुमार जैन नामांकन से शेष विद्यालय के प्रधानाचार्यो से अपील की है कि वे इन्सपायर अवार्ड से सम्बंधित प्रपत्रों के साथ नियत तिथियों पर अपने ब्लॉकवार कैम्प विद्यालय में पहुंचकर इन्सपायर अवार्ड मानक योजना के नामांकन कराकर विद्यार्थियों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण में वृद्धि में सहयोग करें।

बैंड बाजों की मधुर ध्वनि से किया पुरातन छात्रों ने शिक्षकों का सम्मान

हाथरस। के एल जैन इंटर कॉलेज सासनी के पुरातन छात्र परिषद 1999 बैच के छात्रों ने कालेज के सभागार में पूर्व गुरुजनों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में के एल जैन कालेज के पूर्व प्रधानाचार्य केएम शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व उप प्रधानाचार्य एसके जैन उपस्थित रहे। पूर्व छात्र यतेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में आयोजक मंडल द्वारा अतिथियों को सम्मानित करते हुए उनका माल्यार्पण कर शॉल पहनाया गया एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। तत्पश्चात पुरातन छात्र परिषद द्वारा परिचय के साथ गुरुजनों का आदर सम्मान किया गया।

रविवार को आयोजित कार्रक्रम का शु भारंभ अतिथियों द्वारा पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एवं प्रथम देव श्री गणेश जी की छबिचित्र के सामने दीप जलाकर एवं पुष्पहार अर्पित कर किया। इससे पहले पूर्व छात्रों ने कॉलेज के मुख्यद्वार पर बैंड बाजों के साथ अपने गुरुजनो का जोशीला स्वागत किया।

कार्रक्रम में शीलेन्द्र सिंह, जयपाल सिंह यादव, वीके जैसवाल, राजपाल वाल्यान, सुरेशचंद्र शर्मा, केएम शर्मा, निर्भय जैन, एस के जैन, सीएल शर्मा, गोकुल सिंह, विजेन्द्र सिंह, लालता प्रसाद, वीरेन्द्र सिंह, मधुसूदन सिंह, भानुप्रताप सिंह वाल्यान, ओपी वर्मा, सुनील शर्मा, विनोद जैन, गोविंद सिंह, योगेन्द्र सिंह पचहरा, जयपाल गुप्ता, केपी सिंह, सीपी सिंह, राजवीर सिंह, गुलाब सिंह, बलबीर सिंह का पुरातन छात्रों द्वारा अंगवस्त्र एवं पुष्पहार पहनाकर का जोशीला स्वागत किया। स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

इस मौके पर विक्रम सिंह, दिवाकर सिंह, अरविंद तोमर, गौरव चक्रवर्ती, गिरीश कुमार, बँटी बाल्यान, भवतेन्द्र शर्मा, नाहर सिंह, हरिओम, सुमित अग्रवाल, सुरेन्द्र अग्रवाल, विकास, चित्रांशु, विनोद वर्मा, योगेन्द्र चैधरी, रामेन्द्र, योगेश चैधरी, देवेश, विपिन गौड़, लोकेश कांकरान, मौजूद थे कार्रक्रम की अध्यक्षता पूर्व अध्यापक राजपाल सिंह बाल्यान ने की तथा संचालन धर्मेन्द्र शर्मा ने किया।

कुशवाहा शिविर का आज को होगा उद्घाटन, शिविर में होंगे विभिन्न कार्यक्रम -टेकपाल कुशवाहा

हाथरस। मेला श्री दाऊजी महाराज में श्री कुशवाह क्षत्रिय संघ शिविर का 9 सितंबर को उद्घाटन समारोह होगा हर वर्ष की भांति शिविर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजकों द्वारा आयोजित किये जायेगे। जिनमें हनुमान चालीसा सुंदरकांड पाठ, चित्रकला प्रतियोगिता, बाल नृत्य प्रतियोगिता, स्वास्थ्य परीक्षण, जवाबी कीर्तन कंपटीशन,सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, भजन संध्या, छात्र-छात्रा सम्मान समारोह, सामाजिक राजनीतिक चिंतन, बुजुर्ग सम्मान समारोह, वाद विवाद प्रतियोगिता, कवि सम्मेलन, प्रथम राजकीय मेला सम्मान समारोह, मेहंदी प्रतियोगिता, किवज प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता भक्ति संगीत, नेत्र परीक्षण , टशन ए डांस , महिला सशक्तिकरण सम्मेलन बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ मां भगवती जागरण और 27 सितम्बर को शिविर मे समापन होगा , श्री कुशवाहा क्षत्रिय संघ के अध्यक्ष श्री टेकपाल कुशवाह ने बताया कि उक्त प्रोग्राम बहुत ही भव्य एवं मनमोहक होंगे। अध्यक्ष ने समाज के व्यक्तियों से अपील है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में बढ़ चढ़कर प्रोग्राम में हिस्सा लें एवं कार्यक्रमों की शोभा बढ़ाये। उक्त जानकारी अमित कुमार कुशवाह एवं देवा नंद मीडिया प्रभारी के द्वारा दी गयी।

बौद्धिक प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

हाथरस।सासनी-विजयगढ रोड कोतवाली चौराहा स्थित अखिल भारतीय विद्या भारती शिक्षा संस्थान से संचालित श्री राधेश्याम स्वर्णकार सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सासनी हाथरस के छात्र-छात्राओं ने द्विजनपदीय अलीगढ़ हाथरस की, एक प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें बच्चों ने अपनी प्रतिभा का बखूबी प्रदर्शन किया।

रविवार को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर गोरई अलीगढ़ में आयोजित विभागीय बौद्धिक प्रतियोगिता की श्रंखला में बाल वर्ग विज्ञान प्रश्नमंच, मे पावनी, अनुष्का, शिवा व सांस्कृतिक प्रश्नमंच में सौम्या, अर्पित, दीपांशी, ने आठ प्रतिभागी दलों में पहला स्थान प्राप्त कर विद्यालय व सासनी क्षेत्र का नाम रोशन किया । दर्जनभर जिलों की होने वाली प्रान्तीय प्रतियोगिता नौहझील मथुरा में आयोजित होगी। जिसमें ये छात्र-छात्रायें प्रतिभाग करेंगे। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष हरीशंकर बार्ष्णेय, व प्रधानाचार्य विपिन कुमार पालीवाल ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं व आशीर्वाद देकर उज्वल भविष्य की कामना की।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे ईंट से भरा हुआ डंफर पलटा, चालक व खलासी घायल

जालौन, 8 सितंबर (हि.स.)। जालौन के कोतवाली क्षेत्र में बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर एक हादसा हुआ है। जहां एक ईंट से भरा डंपर ट्राला अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्राला के चालक और खलासी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

यह हादसा रविवार की सुबह

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के किलोमीटर संख्या 199 पर हुआ है। यहां ट्राला अनियंत्रित होकर पलट गया और सड़क पर ईंट फैल गयी। इसके बाद, पास से गुजर रहा एक अन्य ट्राला, जो गिट्टी भरकर जा रहा था, ईंटों पर फिसलकर पलट गया।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल चालक और खलासी को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया है। हादसे के बाद एक्सप्रेस-वे के एक लाइन पर यातायात बाधित हो गया है, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

एक्सप्रेस-वे ऑथोरिटी की टीम हाइड्रा की मदद से पलटे ट्राला को हटाने में जुटी हुई है, ताकि यातायात को सामान्य किया जा सके। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

हादसे के बाद एक्सप्रेस-वे पर यातायात पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं, जो यातायात को सामान्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही, एक्सप्रेस-वे ऑथोरिटी की टीम भी मौके पर मौजूद है, जो हादसे के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

वहीं, क्षेत्राधिकारी जालौन शेलेद्र बाजपेई ने बताया कि रविवार को जालौन कोतवाली क्षेत्र के बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के किलोमीटर संख्या 199 पर एक ट्राला अनियंत्रित होकर पलट गया और सड़क पर ईंट फैल गयी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। इस घटना में घायल चालक और क्लीनर को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। इसके अलावा जाम को खुलवाने के लिए पुलिस बल की तैनाती की गई है। फिलहाल यातायात बहाल है।

दुनिया में भारत का ज्ञान और विज्ञान है सर्वश्रेष्ठ-प्रो. शिवाकान्त

-सरस्वती विद्या मंदिर में काशी प्रान्त के तीन दिवसीय प्रान्तीय विज्ञान मेले का हुआ भव्य शुभारम्भ

प्रमोद श्रीवास्तव

प्रतापगढ़। सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज लालगंज में भारतीय शिक्षा समिति काशी प्रान्त के तत्वावधान में प्रदेश स्तरीय तीन दिवसीय विज्ञान मेले का रविवार को भव्य समारोह के मध्य शुभारम्भ हुआ। विद्यालय के प्रबन्धक एवं पूर्व मंत्री प्रो0 शिवाकान्त ओझा तथा एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा व क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ0 राममनोहर एवं प्रदेश निरीक्षक शेषधर द्विवेदी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर विज्ञान मेले का उद्घाटन किया। छात्राओं ने मां सरस्वती की वंदना तथा वैदिक आरती की मनमोहक प्रस्तुति दी। प्रान्तीय विज्ञान मेले में प्रतापगढ़ के अलावा प्रदेश के जौनपुर, सुल्तानपुर, वाराणसी, सोनभद्र आदि जिलों से विद्या भारती के विद्यालयों के बच्चों ने प्रतिभाग किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रदेश के पूर्व मंत्री प्रो. शिवाकान्त ओझा ने कहा कि दुनिया में भारत का ज्ञान और विज्ञान सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने कहा कि भारतीय मेधा ने विश्व पटल पर शान्ति तथा विकास के लिए वैज्ञानिकता का पथ सशक्त कर रखा है। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ0 राममनोहर ने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली आदि काल से से वैज्ञानिक भाव से परिपूर्णरही है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति ही विज्ञान के आधार पर विकसित हो रही है। अध्यक्षता करते हुए एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने कहा कि संस्कृति परक शिक्षा के साथ ज्ञान और विज्ञान के प्रति मेधावियों को दक्ष बनाये जाना चाहिए। प्रदेश निरीक्षक शेषधर द्विवेदी ने भी विज्ञान और संस्कृति पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने कहा कि बच्चों को जीवन में सफलता के लिए विज्ञान की शिक्षा गुणवत्तापरक दी जानी चाहिए। इसके पूर्व उद्घाटन सत्र में छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देकर लोगों का मन मोह लिया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य उमाशंकर मिश्र ने शैक्षिक प्रगति आख्या प्रस्तुत की। सरस्वती शिक्षण संस्थान के निदेशक आचार्य रामअवधेश मिश्र ने अतिथियों का स्वागत किया। सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य प्रदोषनारायण सिंह ने आभार जताया। इस मौके पर आचार्य बलवन्त, प्रभाकर शुक्ल, केशवराम ओझा, हर्षद शुक्ला, उमेश पाल मिश्र, वैभव त्रिपाठी, प्रमोद पाण्डेय, जीतेन्द्र सिंह आदि रहे।

आज से अखिल भारतीय विराट बुर्ज कुश्ती दंगल में देश विदेश के नामी पहलवान कुश्ती के दांव पेच दिखायेगे

भारत केसरी व भारत कुमारी 2024 का चयन हाथरस में होगा ईरान के पहलवानों द्वारा भी दंगल में दिखाए जायेंगे दांव पेंच

पत्रकार वार्ता करते दंगल संयोजक मनोज अग्निहोत्री,पूर्व विधायक राजवीर पहलवान व अन्य दंगल कमेटी के लोग

हाथरस। बृज के लखखी मेंला श्री दाऊ जी महाराज में अखिल भारतीय विराट बुर्ज कुश्ती दंगल में देश विदेश के नामी पहलवान कुश्ती के दांव पेच दिखायेगे। ईरान देश से पहलवानों द्वारा दंगल में आने की अनुमति मिल चुकी है। दंगल में राष्ट्रीय स्तर के कोच रहेगे। जनता ही पहलवानों की लोकप्रियता तय करती है। इस बार का दंगल लोकप्रियता के साथ एक नया इतिहास रचते हुये बृज में एक नया अध्याय लिखेगा। मेले में अखिल भारतीय विराट बुर्ज कुश्ती दंगल का भव्य शुभारम्भ 09 सितम्बर को होगा जिसका उद्घाटन प्रभारी मंत्री असीम अरुण एवं कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी द्वारा किया जाएगा। उक्त बातें दंगल संयोजक मनोज अग्निहोत्री एवं दंगल संरक्षक राजवीर पहलवान ने प्रेस वार्ता में कही

दंगल संयोजक मनोज अग्निहोत्री एवं दंगल संरक्षक राजवीर पहलवान ने बताया की दंगल 9 सितंबर दिन सोमवार को सायं 6:00 बजे से शुरू हो रहा है। 9 सितंबर को अटल टाल बगीची से हनुमान जी का डोला दोपहर 3:00 बजे निकलेगा और यह डोला अटल टाल बगीची से गौशाला रोड, मेंडू गेट, सर्कुलर रोड, गुडिहाई बाजार, पत्थर बाजार, नयागंज होते हुए किला दाऊजी मंदिर पहुंचेगा इसके पश्चात दंगल के अखाड़े पर श्री हनुमान जी महाराज एवं श्री दाऊजी महाराज विराजमान किए जाएंगे उसके उपरांत दंगल में अखाड़ों के उस्ताद खलीफाओं का स्वागत किया जाएगा।

दंगल का उद्घाटन प्रभारी मंत्री असीम अरुण जी एवं कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी द्वारा किया जाएगा। दंगल में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड एवं ईरान देश से पहलवानों द्वारा दंगल में आने की अनुमति मिल चुकी है। इस बार के दंगल को बृज की कुश्ती परंपरा जो कि विलुप्त हो रही है उसको पुनः गौरव एवं स्थायित्व प्रदान करने के उद्देश्य से कराया जाएगा। सभी पहलवानों के रुकने व भोजन की व्यवस्था कोठीवाल धर्मशाला में की गई है। महिलाओं की कुश्ती 11 सितंबर बुधवार को ओलंपिक पद्धति के अनुसार गद्दो पर होगी। महिलाओं के बैठने की उचित व्यवस्था की गई है। भारत केसरी, भारत कुमारी 2024 का चयन हाथरस में होगा जिसमें 65 किलो से कम वजन की भारत कुमारी एवं 65 किलो से ऊपर भारत केसरी के चयन हेतु कुश्ती होगी।

वजन का समय पूर्वाह्न 11:00 से 12:00 बजे तक कोठीवाल धर्मशाला में होगा। दंगल संयोजक व दंगल संरक्षक कहा कि हमारा उद्देश्य दंगल को पूरी ईमानदारी व निष्पक्षता से कराए जाने का है, तथा गत वर्षो से चली आ रही चंदा वसूली परंपरा से मुक्त रखने का प्रयास रहेगा। कुश्ती का अंतिम निर्णय रेफरी एवं दंगल कमेटी का होगा। दंगल संरक्षक एवँ संयोजक ने समस्त जनता जनार्दन से अपील करते हुये कहा है कि शानदार कुश्ती दंगल का आनंद लेने के लिए भारी से भारी संख्या में दंगल पंडाल में पहुंच कर उत्साह वर्धन करे।प्रेस वार्ता में देवेंद्र शर्मा ,जय शर्मा ,नवीन सबलोक ,सुनील पंडित ,प्रवीन खंडेलवाल ,शुभम एलानी , अमन बंसल , मनोज अग्रयाल राया वाले , मानवीर सिंह,आशीष सेंगर मौजूद रहे।

मूसलाधार वारिस से शहर में चारों तरफ पानी ही पानी

घरों, प्रतिष्ठानों और कोतवाली में भी भरा पानी, जनता परेशान

विगत कई दिनों से पढ़ रही उमस और भीषण गर्मी से मिली राहत

शिकोहाबाद। नगर में दोपहर तीन बजे के करीब मूसलाधार वारिस हुई। जिससे पूरे नगर में पानी ही पानी हो गया। निचले इलाकों में घरों, प्रतिष्ठानों में पानी भर गया। जिससे लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। वहीं निकासी न होने से कोतवाली में भी पानी भर गया। जिससे फरियादियों के साथ पुलिस कर्मियों को भी कोतवाली तक पहुंचने और निकलने में परेशानी हुई।

नगर में दोपहर तीन बजे के बाद हुई मूसलाधार वारिस ने एक बार फिर नगर पालिका की पोल खोल दी। ओवर फ्लो नालों की सफाई ना होने तथा गंदगी और सिल्ट से पटे होने के कारण बारिश का पानी गलियों में होकर बहने लगा। गलियों ने नदियों और नालों का रूप ले लिया। निचले इलाकों पंजाबी कॉलोनी, एटा रोड, मैनपुरी रोड, रुकनपुरा, तहसील से पक्का तालाब, यादव कॉलोनी, आदर्श नगर, शंकरपुरी और शंभूनगर के अलावा सर्विस रोड पर दो से तीन फीट तक पानी भर गया। जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। नगर में जल निकासी की उचित व्यवस्था ना होने के कारण जब भी बारिश होती है, लोगों के साथ वाहन चालकों को समस्या से दोचार होना पड़ता है। बारिश से जहां लोगों को जल भराव की समस्या से जूझना पड़ा, वहीं विगत कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से राहत मिल गई। लोगों ने शाम को खुसनुमा मौसम का आनंद उठाया।

गुमशुदा बच्चे को पुलिस ने खोजकर परिजनों के सुपुर्द किया

शिकोहाबाद। ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना पुलिस टीम ने एक गुमशुदा बच्चे को खोज कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बच्चे को पाकर उसके माता-पिता ने थाना पुलिस का शुक्रिया अदा किया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले में ऑपरेशन मुस्कान चलाया जा रहा है। इसके अन्तर्गत प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने मुंतशिर (12) पुत्र मोहम्मद मेंजूफ निवासी एफएस कोलेज बालाजी मन्दिर, स्थायी पता बैलवाडी वार्ड नम्बर 12 पंचायत पकरी पोस्ट तरवी ब्लाक पलासी पोस्ट अररिया जिला अररिया बिहार है। यह बालक छह सितंबर को बिना बताये घर से चला गया था। जिसके सम्बन्ध में थाना पर सूचना प्राप्त हुई थी।

जिसके बाद पुलिस टीम गठित कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर व काफी अथक प्रयास के बाद गुमशुदा मुंतशिर को रेलवे स्टेशन शिकोहाबाद से सकुशल बरामद कर लिया। गुमशुदा बालक से मिलकर उसके परिजन अत्यन्त प्रसन्न हुए।पुलिस ने कागजी कार्यवाही करते हुए बालक को उसके परिवारीजनों के सुपुर्द कर दिया। परिजनों द्वारा पुलिस का धन्यवाद व्यक्त करते हुए आभार प्रकट किया।

ट्रेन की चपेट में आने से किशोर की मृत्यु

शिकोहाबाद। शिकोहाबाद से मैनपुरी जाने वाली रेल लाइन पर एक किशोर का शव पड़ा मिला। सूचना पर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर फिरोजाबाद मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

जीआरपी चौकी प्रभारी ने बताया कि रेल द्वारा मीमो भेजा गया है। जिसमें कहा गया है कि शिकोहाबाद जंक्शन के किमी संख्या 1212,11.13 ब्रांच लाइन पर एक अज्ञात व्यक्ति उम्र करीब 16 वर्ष का फरुखाबाद - शिकोहाबाद पैसेंजर संख्या 05420 से रन ओवर हो गया है। मीमो द्वारा मिली सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को ट्रैक से कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक की तलाशी के दौरान एक आधार कार्ड शिवेंद्र पुत्र गजेंद्र सिंह निवासी शफार्बाद सेक्टर 73 नोएडा गौतमबुद्ध नगर का मिला है। लेकिन अभी उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। उसके परिजनों से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है। किशोर शिकोहाबाद कैसे पहुंचा और यहां आकर उसने आत्महत्या क्यों की। यह पहेली उसकी शिनाख्त होने के बाद ही पता चल सकेगी।

पयूषण पर्व पर जैन मंदिरों में हुए धार्मिक कार्यक्रम

दस लक्षण धर्म के प्रथम दिन उत्तम क्षमा धर्म पर हुई चर्चा

शिकोहाबाद। पयूषण पर्व का प्रथम दिन (उत्तम क्षमा) बड़े ही हर्षोल्लास के साथ जैन समाज के सभी मंदिरों में समाज के लोगों ने अभिषेक, शांतिधारा व पूजन कर मनाया। दस दिनों तक जैन मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी।

श्री दिगंबर जैन पंचायती मंदिर जैन स्ट्रीट व मंडी श्रीगंज श्री महावीर जिनालय सहित नगर के अन्य जैन मंदिरों में प्रातः काल पुजारी ने केसरिया व सफेद वस्त्र पहन के श्रीजी को पंडुकशिला पर विराजमान कर भाव पूर्वक अभिषेककिया। इसके बाद शान्ति धारा की। उसके बाद देव शास्त्र गुरु सोलह कारण व दस लक्षण धर्म की विधि विधान से पूजन किया। शाम के शमय आरती व बच्चों की सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। इस दौरान सेठ अशोक जैन,प्रिन्स जैन,संभव जैन,रजनीकांत जैन,गौरव जैन,डिंपी जैन,सौरभ जैन, सर्वज्ञ जैन,शिखर जैन,निर्मल कुमार जैन,नवीन जैन,अनिल जैन,ज्ञानेंद्र जैन,ऋषभ जैन, नैतिक जैन,आलोक जैन,गब्बर जैन एवं महिलाएं भी उपस्थित रहीं।

अनियंत्रित स्कॉर्पियो डिबाइडर से टकराई, सात घायल

खाटू श्याम के दर्शनों को जाते समय हाईवे पर एचकेएच के समीप हुई घटना

नौ श्रद्धालुओं में से सात हुए घायल, घायलों को अस्पताल में कराया भर्ती

शिकोहाबाद। थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे पर शनिवार रात साढ़े नो बजे के करीब एचकेएच के समीप एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे के बाद स्कॉर्पियो सवारों में चीख पुकार मच गई। हादसे में सात श्रद्धालु घायल हो गये। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। गंभीर रूप से घायलों को फिरोजाबाद रेफर कर दिया।

औरैया के बकेवर थाना क्षेत्र के गांव रामनगर अजीतमल से लोग खाटू श्याम के दर्शनों के लिए स्कार्पियो से जा रहे थे। स्कार्पियो में कुल नौ लोग सवार थे। जब स्कार्पियो शिकोहाबाद क्षेत्र अंतर्गत हाईवे पर प्रतापपुर चौराहे के समीप पहुंची, तभी चालक को झपकी आ गई। जिससे स्कार्पियो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। तेज रफ्तार होने के कारण कार में सवार नौ में से सात लोग घायल हो गये। हादसा होते ही श्रद्धालुओं की चीख पुकार मच गई। हादसे में छोटेलाल (25),विजय सिंह (27), आदित्य भदोरिया (21), आकाश (25), विशाल (24) निवासी बिसनामई थाना बकेवर इटावा और 26 वर्षीय वरुण सोनी,28 वर्षीय शिववीर निवासी गांव रामनगर अजीतमल औरैया घायल हो गए । सभी घायलों को पुलिस ने उपचार के लिए जिला सयुंक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को फिरोजाबाद मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया।

इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार रात साढ़े नौ बजे के करीब एक स्कार्पियो डिवाइडर से टकरा गई थी। जिससे उसमें सवार सात लोग घायल हो गये। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर दो कारें भिड़ीं, पांच घायल

शिकोहाबाद। आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर सुबह दस बजे के करीब दो वाहनों के ओवरटेक करने के दौरान हादसा हुआ। जिसमें पांच लोग घायल हो गये। घायलों को शिकोहाबाद अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अभिषेक पुत्र कन्हैया निवासी आरीपुर सराया थाना भीमपुरा बलिया अपनी कार से आगरा की तरफ से बलिया जा रहे थे। इसी बीच दूसरी कार चालक शशि भूषण तिवारी निवासी सुरजीत चंद्र तिवारी निवासी तेतरी थाना लछटाउन देवरिया अपनी बेटी अदिति,तान्या, ईतती के साथ आगरा की तरफ से देवरिया जा रहे थे। जब दोनों कारें नसीरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत माइल स्टोन 54 के समीप एक्सप्रेस वे पर पहुंची, तभी दोनों कार ओवर टेक करते समय एक दूसरे से टकरा गईं।

इस हादसे में दोनों कार सवार पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया। अस्पताल स्टाफ के अनुसार सभी घायलों को मामूली चोटें थीं। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी देदी गई।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार किसान की मौत

फिरोजाबाद थाना जसराना क्षेत्र के गांव नगला हीरे के समीप शनिवार रात्रि अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार किस की मौत हो गई पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम जिला अस्पताल में कराया है

नगला किंदर निवासी 55 वर्षीय कालीचरन पुत्र लटूरी सिंह शनिवार की रात खेत में कीटनाशक दवा लगा रहा था दवा लगाने के पश्चात वह बाइक द्वारा अपने घर लौट रहा था वह नगला हीरे के समीप पहुंचा ही था तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी जिसके फल स्वरुप उसकी घटना स्थल पर मौत हो गई सूचना मिलते ही पुलिस और मृतक के परिजन घटना स्थल पर पहुंच गए परिजनों में कोहराम मच गया वहीं पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लेकर आई जहां रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है

पौराणिक स्थली अजगरा धाम में पारम्परिक मेले का हुआ शुभारम्भ, उत्साह का माहौल

प्रमोद श्रीवास्तव

प्रतापगढ़। पौराणिक स्थली अजगरा में ऋषि पंचमी पर परम्परागत मेले का रविवार को आगाज हुआ दिखा। परम्परागत मेले में महाभारत कालीन सरोवर के साथ श्रद्धालुओं ने अजगर बाबा मंदिर में मत्था टेका। मेले का शुभारम्भ महंथ बाबा मंगल गिरि तथा संरक्षक साहित्यकार डॉ. राजेश कुमार पाण्डेय निर्झर प्रतापगढ़ी व समाजसेवी सीवी सिंह ने पीतल का कलश अर्पित कर अजगर बाबा को नमन किया। मेले में बड़ी संख्या में ग्रामीण उत्साह में जुटे दिखे। हालांकि प्रशासनिक तथा क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण अजगरा धाम में कई वर्षों से होने वाला सांस्कृतिक महोत्सव इस बार बजट न होने से सम्पन्न नहीं कराया जा सका। इसे लेकर क्षेत्रीय लोगों में निराशा भी देखी गयी। सुरक्षा की दृष्टि से इलाकाई पुलिस मेला स्थल पर तैनात देखी गयी। जिले के अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी संजय राय ने भी दोपहर अजगरा धाम पहुंचकर प्रबंधों का जायजा लिया।

नेशनल ताइक्वांडो में शिक्षा तिवारी ने जीता कांस्य पदक

अनेहरा की बेटी ने ताइक्वांडो में रोशन किया जनपद का नाम

प्रमोद श्रीवास्तव

प्रतापगढ़ केंद्रीय विद्यालय न्यू कैंट की छात्रा शिक्षा तिवारी ने झांसी में आयोजित 53वें राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान ताइक्वांडो खेल में कांस्य पदक जीता है।

शिक्षा तिवारी मदन मोहन मालवीय स्टेडियम प्रयागराज में श्रेया सिंह के निर्देशन में ताइक्वांडो का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है ।

शिक्षा तिवारी की इस सफलता पर केंद्रीय विद्यालय न्यू कैंट के प्रधानाचार्य, खेल शिक्षक अब्दुल कादिर एवं अन्य शिक्षकों ने बधाई दी है।

बताते चलें कि शिक्षा तिवारी जिले की लालगंज तहसील के अनेहरा गांव के निवासी मोहित व रीना तिवारी की पुत्री हैं ।उनकी इस सफलता पर लालगंज क्षेत्र से शिक्षकों समाजसेवियों के फोन दादा ओम प्रकाश तिवारी के मोबाइल पर लगातार आ रहे हैं पोती की इस उपलब्धि पर दादा ओम प्रकाश तिवारी दादी शांति तिवारीसहित परिजनों ने खुशी व्यक्त की है।

उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल व्यापारी हित में काम करने वाला एकमात्र संगठन है -जयवीर सिंह

फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश व्यापार मण्डल के तत्वविधान में आयोजित प्रान्तीय व्यापारी सम्मेलन एवम सम्मान समारोह"फिरोजाबाद क्लब में दोपहर 1 बजे ईश वन्दना से प्रारंभ हुआ जिसमें प्रदेश के 12 जिलों के प्रतिनिधियो ने भाग लिया।

सम्मेलन के उदघाटन सम्बोधन में प्रदेश प्रभारी संजय गुप्ता ने सम्मेलन के ऐजेंडे पर चर्चा करते हुए कहा कि व्यापारी समुदाय ही एक ऐसा समाज है जो जाति, धर्म, ऊँच नीच जैसे राजनीतिक हथकंडों से बहुत दूर है। वह देश के विकास कार्य जिसका उपयोग हर वर्ग करता है उसके लिए सरकार की विना कोई मानदेय की मांग करते हुए अरबो रुपये का राजस्व देता है।यहां तक कि राजनेताओं और जनप्रतिनिधियों को उनकी सुख सुविधाओं के लिए, वेतन ,भत्ते और इनकी राजसी सुविधाओं पर खर्च होने वाले खर्चों का भार भी स्वम उठाता है।

आज के सम्मेलन में विभिन्न जनपदों से आये हुए पदाधिकारियों के विचारों और समस्याओं पर गहन मन्थन करने के बाद सर्वसम्मति से मुख्यमंत्री के नाम एक मांग पत्र समारोह के मुख्य अतिथि जयवीर सिंह जो उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ कैविनेट मंत्री है, उन्हें सौपते हुए प्रदेश अध्यक्ष वी.एस. गुप्ता ने कहा कि राजनीतिक मंचों पर किसानों ,दलितों, पिछड़ो की चर्चा राजनीतिक लाभ पाने के लिए बहुत होती है पर व्यापारी समुदाय जो असंगठित क्षेत्र में विभिन्न माध्यमो से करोड़ो परिवारों को रोजी रोटी देता है, उसकी वर्तमान और भविष्य पर वर्तमान सरकार भी कभी कुछ नहीं करना चाहती है। आज इस मंच से सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पास हुआ जिसमें व्यापारियो की राजनीतिक हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा एक बिल पारित करना चाहिये जसमे विभिन्न स्तरों पर नामित पदों में 30 %गेर राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले व्यापारियो के लिए आरक्षित किये जाने का प्राविधान किया जाय जिससे इस समाज को राजनीतिक हिस्सेदारी प्राप्त हो सके। उन्होंने अनुरोध किया कि आप अपने प्रभाव का उपयोग करते हुए हमारे मांगपत्र पर मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित कराए जिससे कुछ सकारात्मक परिणाम मिल सके।

भाजपा जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार है ! बहन बेटियां जो सुरक्षित हैं वह इसी सरकार में सुरक्षित हैं! व्यापारी हमेशा भाजपा को अपना योगदान देते हुए आया है और आगे भी देता रहेगा !

व्यापारियो द्वारा की जाने वाली मांगो पर सहानभूति जताते हुए मंत्री महोदय ने अपने कहा सम्मेलन में मुख्य अतिथि ठाकुर जयवीर सिंह ने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल का संरक्षक देता हूं! क्योंकि उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल एक सक्रिय व्यापारी हित में काम करने वाला एकमात्र संगठन है !

भारतीय जनता पार्टी व्यापारियों की पार्टी है! मुख्यमंत्री के समक्ष ज्ञापन को पहुंचा दिया जाएगा!

सम्मेलन में आनन्द गुप्ता कानपुर ,सिद्धार्थ काशिवर कानपुर, हाथरस से विजय वाष्णेय, एटा से विजय गुप्ता, आगरा से गौरव गुप्ता, जेनिथ दुबे आगरा,रीतेश अग्रवाल प्रदेश महा मंत्री, विनोद महेश्वरी, विमिलेश जैन, राहुल कुमार युवा जिला अध्यक्ष, नितिन अग्रवाल ,संजय मित्तल, संजय गुप्ता प्रदेश प्रभारी,एसएस शर्मा प्रगराज, एक तिवारी , प्रयागराज, सोमदत्त गुप्ता, आशीष अग्रवाल,गोरखपुर, ,फतेहपुर आदि जनपदों से आये हुए सेकड़ो की संख्या में व्यापारियो ने भाग लिया।

अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष वी.एस., गुप्ता ने और कुशल संचालन जिला महामंत्री महेन्द्र कुशवाहऔर संजय गुप्ता ने सयुक्त रूप से किया।

फरुखाबाद में गैंगस्टर शिव प्रताप सिंह उर्फ चीनू एडवोकेट की सात करोड़ 89 लाख 70 हजार 281 रुपए 85 पैसे की संपत्ति कुर्क की गई।

फरुखाबाद । फरुखाबाद जिला प्रशासन ने आज रविवार को गैंगस्टर शिव प्रताप सिंह उर्फचीनू एडवोकेट की 7 करोड़ 89 लाख 70हजार 281 रुपए 85 पैसे की कीमती अवैधअचल संपत्तिया कुर्क की गई।

पुलिस प्रवक्ता ने आज रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एक्ट से संबंधित कुख्यात गैंग लीडर्स अनुपम दुबे एवं संजीव पारिया के साथ में,सह गैंग लीडर शिव प्रताप सिंह उर्फ चीनू एडवोकेट ने, स्वयं व अपने सहयोगी, परिजनों के नाम से अवैध ढंग से, सात करोड़ 89 लाख 70हजार 281 रुपए 85 पैसे की मकान प्लॉट आदिअचल संपत्तियां अर्जित की गई। इसी प्रकरण में, गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत अपराध संख्या27/2024मे जिलाधिकारी ने,दिनांक 05 सितंबर 2024 को अवैध संपत्तियो को कुर्की करने केआदेश किए गए।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जिले में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे हैं अभियान के तहत फतेहगढ़ कोतवाली पुलिस ने अपराध संख्या41/2024 धारा 3(,1) उत्तर प्रदेश गिरोह बंद समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम1986 के अंतर्गत कुख्यात गैंगलीडर संजीव पारिया पुत्र जदुनाथ सिंह, निवासी बगला नंबर 10 केंट फतेहगढ़ व अनुपम दुबे पुत्र महेश चंद्र दुबे निवासी कसरट्टा फतेहगढ़ तथा शिव प्रताप सिंह उर्फ चीनू पुत्र बृजमोहन सिंह निवासी सोता बहादुरपुर पांचाल घाट थाना कादरी गेट जिला फरुखाबाद ने अवैध ढंग से, करोड़ों की संपत्तियां अर्जित करने के मामले को लेकर, मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई कीगई।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी के निर्देशन में आज रविवार को थाना मऊ दरवाजा प्रभारी निरीक्षक को भोलेंद्र चतुर्वेदी, कादरी गेट थाना प्रभारी निरीक्षक अवध नारायण पांडे तथा फरुखाबाद कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजीव पांडे ने भारी पुलिस बल के साथ प्रशासनिक अधिकारीतहसीलदार श्रद्धा पांडे ने मौके पर पहुंचकर, ढोल बजवाकर कुख्यात गैंग लीडर शिव प्रताप सिंह उर्फ चीनू के स्वयं व संबंधियों परिजनों के नाम से 7 करोड़ 89 लाख 70हजार 281 रुपए 85 पैसे की अर्जित की गई अवैध संपत्तियों को कुर्क किया गया।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

फिरोजाबाद थाना टूंडला क्षेत्र के गांव जरौली खुर्द के सामने ट्रेन से कटकर एक युवक की मौत हो गई पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लेकर आई है जहां शव को विच्छेदन गृह रखवा दिया है

जरौली खुर्द के सामने निकल रही रेलवे लाइन पार करते समय शनिवार की रात्रि एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से कट कर मौत हो गई मौके पर भीड़ एकत्रित हो गई सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उसने शव की पहचान करने का प्रयास किया परंतु पहचान नहीं हो सकी पुलिस अज्ञात के रूप में शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लेकर आई जहां शव को विच्छेद ग्रह में रखवा दिया है पुलिस के अनुसार मृतक की आयु लगभग 32 वर्ष है

देश के जितने ज्यादा नागरिक साक्षर होंगे, देश उतनी ही उन्नति कर सकता है: अश्वनी राजौरिया

फिरोजाबाद। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर कोमल फाउंडेशन द्वारा जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कोमल पाठशाला, इंदिरा नगर पर किया गया।

कार्यक्रम में राज्य युवा पुरस्कार विजेता एवं कोमल फाउंडेशन के अध्यक्ष अश्वनी कुमार राजौरिया ने कहा कि इस दिन को मनाने से पहले आपको पता होना चाहिए कि साक्षरता क्या है। साक्षरता शब्द साक्षर से बना है, जिसका अर्थ पढ़ने और लिखने में सक्षम है। दुनिया के सभी देश हर वर्ग के अपने नागरिकों तक शिक्षा के प्रचार प्रसार के उद्देश्य से साक्षरता दिवस मनाते हैं। साक्षरता किसी भी देश के विकास के लिए बहुत जरूरी है। देश के जितने ज्यादा नागरिक साक्षर होंगे, देश उतनी ही उन्नति और तरक्की कर सकता है। साक्षरता के इसी महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए हर साल अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाता है। 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाता है। साक्षरता दिवस समाज में शिक्षा के प्रचार प्रसार के उद्देश्य से दुनिया भर में मनाया जाता है। भारत में भी विश्व साक्षरता दिवस को महत्वपूर्ण दिन के तौर पर मनाते हैं।

कार्यक्रम में जेएस विश्वविद्यालय शिकोहाबाद व वरूणा सेवा ट्रस्ट और सती महारानी जनकल्याण ट्रस्ट का भी विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम में अंजलि राठौर, टीना राठौर, शिवम कुमार, हरि नारायण आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पांच घंटे चला पुलिस का अभियान, 85 अभियुक्त गिरफ्तार

फिरोजाबाद, 08 सितम्बर (हि.स.)। जनपद पुलिस ने शनिवार की रात में पांच घंटे अभियान चलाकर 85 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त विभिन्न मुकदमों में वांछित अभियुक्त हैं जो फरार चल रहे थे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित द्वारा वारंटियों एनबीडब्ल्यू व एसआर केसों में वांछित अभियुक्तों के विरुद्ध शनिवार की रात को 12.00 बजे से सुबह 05.00 बजे तक अभियान चलाया। इस अभियान के अन्तर्गत जनपदीय पुलिस कुल 85 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इसमें 84 एनबीडब्ल्यू व 1 एसआर वारंटी वाँछित है। थाना उत्तर ने 3, थाना दक्षिण ने 3, थाना रामगढ़ ने 5, थाना रसूलपुर ने 7, थाना टूण्डला ने 2, थाना पचोखरा ने 2, थाना रजावली ने 2, थाना नारखी ने 3, थाना नगला सिंघी ने 3, सिरसागंज ने 16, थाना अराँव ने 3, थाना नगला खंगर ने 2, थाना नसीरपुर ने 3, थाना शिकोहाबाद ने 6, थाना खैरगढ़ ने 3, थाना मक्खनपुर ने 1, थाना जसराना ने 7, थाना एका ने 2, थाना फरिहा ने 3, थाना लाइनपार ने 1 व थाना मटसेना ने 8 अभियुक्त को पकड़ा है। गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस के अनुसार वारंटी अभियुक्तों के विरुद्ध यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

बजरंगदल के जिलाध्यक्ष पर जानलेवा हमले का आरोपित गिरफ्तार

फिरोजाबाद, 08 सितम्बर (हि.स.)। थाना नारखी पुलिस टीम ने रविवार को बजरंगदल के जिलाध्यक्ष पर जान लेवा हमला करने के आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में कार्यवाही कर उसे जेल भेजा है।

थाना नारखी क्षेत्र के गांव नारखी धौंकल निवासी बजरंगदल के जिलाध्यक्ष शुभम प्रताप सिंह के ऊपर 05 सितम्बर को कुछ व्यक्तियों ने जगदीश शीत गृह नारखी के सामने जान लेवा हमला किया था। उन्होंने बछगांव चौराहा के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम पूर्व में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

थाने में इकराम अली सहित 13 नामजद लोगों व अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था। थाना प्रभारी नारखी राजेश सिंह पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे। तभी उन्होंने सूचना पर अभियुक्त इकराम अली को अन्य नामजद व अज्ञात अभियुक्तगणों के गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

गठित पुलिस टीम लगातार आरोपितों की तलाश में सम्भावित स्थानों पर दबिश दे रही है।

गाय के महत्व पर शॉर्ट फिल्म विजेता को मिलेगा पुरुस्कार

ब्रज संवाद केंद्र प्रांत स्तर पर कर रहा है प्रतियोगिता का आयोजन
7 से 8 मिनट की बनानी होगी शॉर्ट फिल्म
रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 15 सितंबर
प्रथम विजेता को मिलेगी 51 हजार रुपए की धनराशि

फिरोजाबाद विश्व संवाद केंद्र, ब्रज प्रांत एवम दीनदयाल कामधैनु गौशाला समिति के संयुक्त तत्वावधान नवधा फिल्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन सितंबर माह में किया जा रहा है। इसमें यूट्यूबर्स से भारत में गाय के महत्व को लेकर 7-8 मिनट की लघु फिल्म आमंत्रित की गई हैं।

यह जानकारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चंद्रनगर विभाग के प्रचार प्रमुख सौरव एवम महानगर प्रचार प्रमुख ललित ने संयुक्त रूप से बैठक में कार्यकताओं को दी। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में रजिस्ट्रेशन पूरी तरह से निशुल्क है, जिसकी अंतिम तिथि 15 सितंबर है। उन्होंने बताया की प्रांत स्तर पर इस फिल्मोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसके प्रथम विजेता को 51 हजार रुपए की धनराशि से पुरुस्कृत किया जायेगा साथ ही द्वितीय, तृतीय स्थान एवम अन्य सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जायेंगे।

उन्होंने बताया की समाज के अभी एक्टिव यूट्यूबर्स एवम अन्य सोशल मीडिया के प्लेटफार्मों पर सक्रिय लोगों द्वारा गाय के महत्व पर एक शॉर्ट फिल्म बनाकर पोस्ट करनी होगी। उन्होंने बताया कि फिल्म की थीम में प्रमुख विषय जैसे गाय की पीड़ा, गाय और गांव, आस्था का प्रतीक गाय, अर्थव्यवस्था की रीढ़ गाय, समृद्धि का परिचायक गाय, प्राचीनकाल से गाय का महत्व एवम भारतीय संस्कृति में गाय का महत्व शामिल है। उन्होंने बताया की प्रतिभागी पोस्टर में दिए गए बार कोड को स्कैन कर और गूगल फॉर्म भरकर अपना रजिस्ट्रेशन 15 सितंबर तक करा सकते हैं साथ ही प्रतिभागी अपनी फिल्म गूगल ड्राइव के माध्यम से पर अपनी भेज सकते हैं। अन्यथा की स्थिति में विभाग प्रचार प्रमुख सौरव के दूरभाष संख्या +91 89230 05995 एवम महानगर प्रचार प्रमुख ललित को उनके दूरभाष संख्या 8439113932 पर व्हाट्सएप कर सकते हैं।

बैठक में उपस्थित महानगर प्रचारक शेखर जी ने सभी युवा सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर्स से इस प्रतियोगिता में बढ़चढ़कर भाग लेने का आव्हान किया है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता का प्रमुख उद्देश अपनी भारतीय संस्कृति की मौलिकता का बनाए रखना और समाज में गाय के प्रति एक सकारात्मक संदेश देना। समाज के कुछ लोग गाय को केवल धनोपार्जन का साधन मानते है अर्थात दूध दोहने के पश्चात ऐसे ही उन्हें छोड़ दिया जाता है। इस प्रकार की फिल्मों से ऐसे लोगों का विचार परिवर्तन किया जा सकता है।

संघ कार्यालय पर आयोजित हुई बैठक में प्रमुख रूप से विनेश, वरुण, कृष्णमुरारी, महेश, मुकेश, विजय, शेखर गुप्ता, धीरेंद्र आदि उपस्थित रहे।

घर में घुस युवक ने महिला से किया रेप, पति रहता है बाहर

फिरोजाबाद। थाना मक्खनपुर क्षेत्र में युवक ने घर में घुस तमंचे के बल पर महिला से शारीरिक संबंध बनाए। उसका पति बाहर काम करता है। घटना की थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

थाना मक्खनपुर क्षेत्र निवासी एक युवक बाहर काम करता है। उसकी पत्नी अपने बच्चों के साथ गांव में रहती है। महिला के अकेलेपन का फायदा उठा एक युवक उसके घर में घुस आता है। उसके साथ अश्लील बातें तथा छेड़छाड़ करता है।

फोन पर अश्लील बातें करता है फोन ना उठाने पर जान से मारने की धमकी देता है। महिला का कहना है 18 जून 2024 को रात 8:00 बजे युवक उसके घर में घुस आया।

युवक ने बाल पड़कर महिला को जमीन पर गिरा दिया। उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। विरोध करने पर तमंचा तानकर धमकी दी। उसने चीख पुकार की तो पड़ोस के लोग वहा आ गए। लोगों को आता देख बहुत धमकी देकर भाग गया।

महिला का कहना है डर के कारण वह अपने जेठ के यहां शिकोहाबाद चली गई।

पति के आने पर उसने उसे सारी बात बताई। उसकी बात सुन पाती हैरत में पड़ गया। महिला ने थाना मक्खनपुर पर अरविंद कुमार पुत्र भूरी सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। वह रसूलपुर का रहने वाला है।

गणेश उत्सव का समाजसेवी लोधी देवेंद्र सिंह राजपूत ने फीता काटकर किया शुभारंभ

जसराना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर समाज सेवी लोधी देवेंद्र सिंह राजपूत ने गणपत बप्पा मौर्य की जन्म जयंती का शुभारंभ किया ग्रामीणों की भावनाओं को मध्य नजर रखते हुए कई जगहों पर स्वागत समारोह किया गया जिसमें समाजसेवी लोधी का पुष्प माला पहनकर भव्य स्वागत एवं सम्मानित किया भगवान श्री गणपति बप्पा के आशीर्वाद से लोधी ने क्षेत्र के सभी बुजुर्ग एवं आशाएं लोगों की सेवा के दायित्व को समझा है

उनकी सेवा में सदैव त्यपर रहते हैं किसी भी समय बीमार व्यक्ति को एंबुलेंस की सेवा निशुल्क रखी हैअसाह बुजुर्ग पुरुष एवं महिलाओं को हर प्रकार से सहायता देने का संकल्प लिया है जिन परिवारों में बच्चों के लिए शिक्षा को लेकर कठिनाइयों है

उनके लिए हमारे समाज सेवी लोधी ने अपने लकी ट्रस्ट के द्वारा शिक्षा मुहैया करने की जिम्मेदारी ली है आज तक कोई भी समाजसेवी लोधी देवेंद्र सिंह राजपूत के सामने इतना बड़ा संकल्प एवं जिम्मेदारी नहीं उठा पाया है फिरोजाबाद जनपद की तहसील जसराना क्षेत्र में लोधी देवेंद्र सिंह राजपूत एक विशेष समाज सेवी के नाम से विख्यात व्यक्ति है समाज को देखते हुए किसी भी प्रकार की कोई भी समस्या का समाधान करने में सबसे आगे चलने वाला समाजसेवी लोधी देवेंद्र राजपूत हर समाज के लिए सदैव सहायता के लिए तैयार है

अभद्रता पर प्रशिक्षु एस आई लाइन हाजिर

फिरोजाबाद। थाना दक्षिण में तैनात प्रशिक्षु उप निरीक्षक को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित को लाइन हाजिर कर दिया। दो पक्षों में विवाद के दौरान एक पक्ष ने उप निरीक्षक पर अभद्रता का आरोप लगाया था।

प्रशिक्षु उप निरीक्षक सुधीर कुमार थाना दक्षिण की नालबंद चौकी पर तैनात थे। क्षेत्र में कचोड़ी खाने के दौरान दो पक्षों में झगड़ा हो गया था। दोनो में जमकर मारपीट हुई।

उसी दौरान एस आई वहा पहुंच गए। उन्होंने मामले को शांत करने का प्रयास किया। इसको लेकर एक पक्ष से उनकी कहासुनी हो गई।

उसने एस आई पर अभद्रता करने का आरोप लगाया। वहां काफी लोग एकत्रित हो गए। पता चलते ही एसपी सिटी सहित काफी पुलिस फोर्स में पहुंच गया।

लोगों को समझा बुझा कर मामले को शांत कराया गया। मामला वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के संज्ञान में पहुंचा। उन्होंने प्रशिक्षु उपनिरिक्षक सुधीर कुमार को लाइन हाजिर कर दिया।

एसपी सिटी ने बताया दो पक्षों विवाद हो गया था।

एक पक्ष ने प्रशिक्षु उप निरीक्षक पर अभद्रता का आरोप लगाया था।

वहां पहुंचे कर लोगों को शांत कराया। प्रशिक्षु एस आई के खिलाफ प्रारंभिक जांच की जा रही है।

डेंगू वार्ड में उपचार के लिये आये बृद्ध पिता व बेटी के साथ गार्ड ने की मारपीट

फिरोजाबाद, स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध जिला एस एन एम चिकित्सालय के ड़ेंगू वार्ड में रविवार की प्रात उस समय हंगामा खड़ा हो गया जब गार्ड ने बीमार बेटी व उसके बृद्ध पिता के साथ मारपीट कर दी

पीड़ित ने घटना से सम्बन्धी तहरीर थाना उत्तर में दी है

नगर के थाना उत्तर क्षेत्र के कोटला रोड गल्ला मंडी के समीप मोहल्ला रानी नगर निवासी विध्याचरन पुत्र प्यारे लाल रविवार की प्रातः 08 बजे अपनी बेटी को दिखाने के लिये जिला अस्पताल के डेंगू वार्ड में जा रहा था। आरोप है, कि ड्यूटी पर तैनात गार्ड ने बीमार बेटी और उसे वार्ड में नही घुसने दिया। आरोप है , जब उसने विरोध किया तो गार्ड ने उसे व उसकी बेटी के साथ मारपीट कर दी। जिसके कारण बृद्ध पिता को चोट लग गयी, इस घटना को देख जिला अस्पताल में अच्छा खासा हंगामा खड़ा हो गया। मौके पर भीड़ एकत्रित हो गयी। बृद्ध पिता ने अपने साथ हुई घटना की जानकारी देते हुए तहरीर थाना उत्तर में दी है। उक्त घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल के सीएमएस ड़ॉ नवीन जैन व नगर मजिस्ट्रेट राजेन्द्र प्रसाद ने सरकारी ट्रामा सेंटर में उपचार को लाये गये, पिता व बेटी से जानकारी हासिल की।

नगर मजिस्ट्रेट ने बताया कि सीएमएस डॉ नवीन जैन से कहकर उन्हें वार्ड में उपचार के लिये शिफ्ट करा दिया गया है। जहाँ उनका उपचार जारी है।

पोक्सो के दोषी को 4 वर्ष का कारावास

फिरोजाबाद। न्यायालय ने पोक्सो के दोषी को 4 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। उस पर अर्थ दंड भी लगाया।

थाना फरिहा क्षेत्र में तेरह वर्षीय छात्र को स्कूल आते जाते समय युवक परेशान करता था। उससे अभद्र भाषा का प्रयोग करता था। छात्रा कक्षा 8 में पढ़ती थी।

छात्रा के पिता ने बंटू पुत्र रामनरेश निवासी बूढ़ना तथा एक बाल अपचारी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया।

पुलिस ने विवेचना के बाद न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया।

मुकदमा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विशेष न्यायाधीश पोक्सो कोर्ट संख्या 3 राजीव सिंह की अदालत में चला। अभियोजन पक्ष की तरफ से मुकदमे की पैरवी कर रहे विशेष लोक अभियोजक पोक्सो कमल सिंह ने बताया मुकदमे के दौरान आधा दर्जन गवाहो ने गवाही दी। कई साक्ष न्यायालय के सामने पेश किए गए। गवाहों की गवाही तथा साक्ष्य के आधार पर न्यायालय ने बंटू को दोषी माना। न्यायालय ने उसे 4 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। उस पर ढाई हजार रुपया अर्थ दंड लगाया।

बद जिलाध्यक्ष का एक और हमलावर पकड़ा

फिरोजाबाद। थाना नारखी पुलिस ने बजरंगदल के जिलाध्यक्ष पर जान लेवा हमला के मुकदमें में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। दो अभियुक्तों को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है।

थाना नारखी पुलिस ने रविवार को अभियुक्त इकराम अली पुत्र लाल मोहम्मद निवासी ग्राम नारखी धौकल थाना नारखी को पकड़ा है।

पुलिस ने उसे बछगांव चौराहा के पास से गिरफ्तार किया।

बजरंगदल के जिलाध्यक्ष शुभम प्रताप सिंह पुत्र चन्द्रभान सिंह निवासी नारखी धौकल पर 5 सितंबर को कुछ लोगो ने कातिलाना हमला कर दिया था।

मामले में 13 नामजद व 10-12 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था।

जिसमें पूर्व में ही दो अभियुक्तगणो को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है । अन्य नामजद व अज्ञात अभियुक्तगणों के गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

लगातार सम्भावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है ।

पालिका ने दिए नोटिस को मकान स्वामी ने हवा में उड़ाया

शिकोहाबाद। नगर पालिका ने स्थानीय लोगों की शिकायत पर एक निर्माण कार्य करा रहे मकान स्वामी को नोटिस देकर नाली और छज्जा हटाने के निर्देश देते हुए नोटिस भेजा था। पालिका के नोटिस का पीड़ित ने कोई जवाब नहीं दिया है। इतना ही नहीं निर्माण करा रहे मकान स्वामी ने अभी तक मकान में पड़ी छज्जे की शटरिंग को भी नहीं हटाया है।

मामला बुढ़रई रोड स्थित वंशी नगर का है। नगर पालिका द्वारा नोटिस अधिनियम की धारा 1916 की धारा 265 के अंतर्गत पालिका निर्मित नाली को क्षतिग्रस्त करने के साथ ही अवैध रूप से छज्जे का निर्माण कर रहे लविन को नोटिस जारी कर अवैध अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिये हैं।

पालिका ने नोटिस में कहा है कि नाली को क्षतिग्रस्त कर ऊंचा करने से गली में जल भराव की स्थित उत्पन्न हो रही है। जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पालिका द्वारा नोटिस के बाद तीन दिन के अंदर पालिका द्वारा बनवाई गई नाली को सही कराने और छज्जे का निर्माण बंद कर पालिका कार्यालय में लिखित रूप से अवगत कराते हुए फोटोग्राफ उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। चेतावनी दी अगर तीन दिन के अंदर उक्त नोटिस का पालन नहीं किया गया तो पालिका जेसीबी से उक्त अतिक्रमण को हटा देगी और उस पर आने वाले व्यय की वसूली की जायेगी। लेकिन पालिका के नोटिस के बाद भी निर्माण करा रहे मकान स्वामी ने अभी तक ना तो नाली और छज्जे पर लगी शटरिंग को हटाया है और ना ही पालिका को कोई जवाब दिया है। स्थानीय लोगों ने पालिका प्रशासन से नोटिस पर कार्यवाही करने की मांग की है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रशान्त वशिष्ठ के लिये पुष्प प्रिंटर्स, बौधाश्रम फिरोजाबाद से छपकर कार्यालय दैनिक सच क्या है बौधाश्रम फिरोजाबाद से प्रकाशित।
सम्पादक- छीतरिया शर्मा
फोन नं. 05612297399.
9411927251,
9259041013,
9997830502
E-mail fzd@suchkyahai.com
suchkyahai@gmail.com
suchkyahai87@gmail.com